RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:284 ता. 08 मई 2023, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

जामताड़ा के साइबर ठगों ने बदला पता और पैंतरा, इस तरह झांसे में बिल्कुल न आएं

नई दिल्ली। यदि आपको एसएमएस पर चेतावनी मिलती है कि आपके घर की बिजली आपूर्ति कुछ घंटों में काट दी जाएगी या एक नौकरी की पेशकश मिलती है, तो बिना कंफर्म के तुरंत यकीन मत करना। क्योंकि इसकी पूरी संभावना है कि यह जामताड़ा के साइबरों ठगों द्वारा रचा जाल है, जिससे वे आपको फंसाना चाह रहे हैं और कईयों को अपने फांसे में ले भी चुके हैं। झारखंड का सबसे गरीब जिला जामताड़ा साइबर ठगी में सबसे कुख्यात है। सूत्रों से जानकारी मिली है कि एजेंसियों की छापेमारी के बाद इन साइबर ठगों ने अपना पता और ठगी का पैंतरा बदल दिया है। अब इस तरह की गतिविधियां बंगाल के औद्योगिक शहर आसनसोल से संचालित हो रही है। जामताड़ा के जालसाज जहां पहले लोगों से क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड के सवालों को पूछकर साइबर ठगी करते थे लेकिन, अब इन्होंने ठगी का पैंतरा बदल दिया है। अब इनके पास नए-नए सवाल हैं, जिनसे ये लोगों को ठग रहे हैं। आसनसोल के नेमतपुर के एक पूर्व साइबर अपराधी मोहम्मद गाज़ी (बदला हुआ नाम) ने कहा, ÷वे लोगों के डर, लालच और असुरक्षा का शिकार होते हैं।÷ उसने दावा किया कि उसके कुछ परिचितों को गिरफ्तार किए जाने के बाद उसने ये काम छोड़ दिया है। कहा, जब हम इस चिलचिलाती गर्मी में बिजली कटने के बारे में एसएमएस भेजते हैं तो लोग डर जाते हैं और जाल में फंस जाते हैं। कई लोग वर्क-फ्रॉम-होम नौकरी के चक्कर में पड़ जाते हैं और अच्छा भुगतान करने का वादा करते हैं। वे हमारे दिए लिंक पर क्लिक करते हैं और फिर उनके साथ ठगी हो जाती है। साइबर ठगों का सुरक्षित ठिकाना लंबे वक्त से जामताड़ा रहा है लेकिन, केंद्रीय एजेंसियों की छापेमारी के बाद से इन साइबर ठगों का नया पता अब आसनसोल है। इन कई साइबर अपराधियों के आसनसोल में रिश्तेदार हैं।

कर्नाटक में भाजपा के लिए संजीवनी बन गया बजरंगबली का नाम? बुरी फंसी कांग्रेस

कर्नाटक में भाजपा की रैलियों में इन दिनों बजरंगबली की जयजयकार सुनाई देती है। कारण है कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में बजरंग दल को बैन करने का जिक्र किया था। भाजपा मुद्दे को शिफ्ट करने में कामयाब हुई।

,बेंगलुरु। हनुमान चालीसा में एक चौपाई है। संकट कटे मिटे सब पीरा। जो सुमिरै हनुमत बल बीरा।। कर्नाटक चुनाव में यह पंक्ति भाजपा के लिए सार्थक नजर आ रही है। कांग्रेस के घोषणापत्र में बजरंग दल के जिक्र के बाद भाजपा ने बजरंगबली के नाम पर वोट बैंक को साधना शुरू किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपनी जनसभाओं में बजरंगबली का जिक्र करना नहीं भूलते। शनिवार को बेंगलुरु में भाजपा के रोडशो में बहुत सारे लोग हनुमान जी की वेशभूषा में पहुंचे थे। वहीं इस रैली में हनुमान जी के पोस्टर भी लगाए गए थे। बता दें कि कर्नाटक में 10 मई को वोट डाले जाएंगे। ऐसे में चुनाव प्रचार का अंतिम चरण चल रहा है। पार्टियां प्रचार में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहती। आखिरी चरण में यह चुनाव प्रचार बजरंगबली के आसपास केंद्रित हो गया है। कांग्रेस ने हिंदूवादी संगठन बजरंगदल को बैन करने की बात कही थी लेकिन

भाजपा लोगों का ध्यान बजरंगबली पर शिफ्ट करने में कामयाब हो गई। कहा जा सकता है कि भाजपा के कुछ लोग जो असंतोष की वजह से शिफ्ट होना चाहते थे वे फिर से जुड़ गए। इस तरह से बजरंगबली ने मानो भाजापा को संजीवनी बूटी ही लाकर दे दी हो।

यह भी कहा जाता है कि कर्नाटक के अंजनाद्री पहाड़ियों में ही हनुमान जी का जन्म हुआ था। हालांकि इसको लेकर कई राज्यों के बीच में विवाद है। फिर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी रैलियों में बजरंगबली की जय बोलना नहीं छोड़ते हैं। भाजपा के एक नेता ने यहां तक कहा कि कांग्रेस ने जिस दिन बजरंगदल को बैन करने का वादा किया उस दिन मंगलवार था और यह हनुमान जी का दिन था। मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने कहा कि हनुमान जी का जन्म किष्किंधा नगरी में हुआ था जो कि कर्नाटक में है। इसका जिक्र रामायण में किया गया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी रैली में कहा कि बजरंगबली का जन्मस्थान कर्नाटक में है। उन्होंने कहा कि श्रीराम का जन्म अयोध्या में हुआ था और बजरंगबली का कर्नाटक में। उन्होंने कहा कि बजरंगदल लोगों के सेवा के लिए बनाया गया था और इसमें हनुमान जी के भक्त होते हैं। बता दें कि भाजपा इस मुद्दे को एक अवसर केरूप में देख रही है। कर्नाटक की भाजपा सरकार पहले से ही अंजनधारी पहाड़ियों को विकसित करके पर्यटन स्थल बनाने में जुटी हुई है। पिछले साल के बजट में इसके लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे।

बुरी तरह घिरी कांग्रेस

बजरंगबली का नाम आने के बाद कांग्रेस भी घिरी नजर आई। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोइली ने यहां तक कहा कि कांग्रेस की सरकार अगर राज्य में बनती भी है तो भी बजरंग दल को बैन नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव कांग्रेस के पास नहीं है। वहीं कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार ने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो राज्य भर में हनुमान जी के मंदिर बनाए जाएंगे।

अगले साल गणतंत्र दिवस परेड में केवल महिलाएं होंगी शामिल: रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली। विभिन्न सेक्टरों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सरकार ने तय किया है कि कर्तव्य पथ पर होने वाले गणतंत्र दिवस परेड में मार्च पास्ट, झाकियां और परफॉर्मेंस में सिर्फ महिलाएं शामिल होंगी। रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में सैन्य बलों तथा परेड में शामिल होने वाले अन्य सरकारी विभागों को पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि मार्च पास्ट करने वाले दस्ते और उनके साथ जुड़े बैंड तथा झांकियों में सिर्फ महिला प्रतिभागी होंगी। इस पत्र ने कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को आश्चर्य में डाल दिया है और भ्रम की स्थिति पैदा की है। कई लोगों का मानना है कि इसके लिए सेना में पर्याप्त महिलाएं उपलब्ध नहीं हैं। वर्तमान स्थिति यह है कि मार्च करने वाली कुछ टुकड़ियों में केवल पुरुष होते हैं। गौरतलब है कि सशस्त्र बलों ने लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं को कमान की भूमिका सौंपने, भविष्य की नेतृत्वकारी भूमिकाओं के लिए तैयार करने और आर्टिलरी रेजीमेंट में शामिल करने जैसे कई उपाय किए हैं। जानकारी के मुताबिक, परेड में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने का फैसला 7 फरवरी को हुई एक बैठक के दौरान लिया गया था। रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने की अध्यक्षता

में हुई बैठक में सेना, नौसेना, वायु सेना, गृह मंत्रालय, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया था। बैठक के लगभग एक महीने बाद, रक्षा मंत्रालय ने 1 मार्च को भाग लेने वाले बलों, मंत्रालयों और विभागों को औपचारिक रूप से एक पत्र जारी किया।

बागेश्वर बाबा पर बीजेपी की नीतीश सरकार को सलाह, अपने धर्म का अपमान, सेक्युलरिज्म नहीं; अतिथि देवो भव:

पटना। बागेश्वर बाबा के पटना आगमन को लेकर बीजेपी और राजद के बीच तलवारें खींच गई है। एक तरफ नीतीश सरकार के मंत्री धीरेंद्र शास्त्री के दौरे का विरोध कर रहे हैं। तो वहीं दूसरी तरफ बीजेपी बागेश्वर सरकार के समर्थन में खड़ी दिख रही है। नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बागेश्वरधाम के कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होने नीतीश सरकार को हिदायत देते हुए कहा कि धर्मनिरपेक्षता का मतलब अपने धर्म का अपमान करना नहीं होता। बिहार में तो अतिथि को देवता के रूप में पूजा जाता है।

अपने धर्म का अपमान, धर्मनिरपेक्षता नहीं

विजय कुमार सिन्हा ने अपने बयान में कहा कि बिहार की धरती ज्ञान, विज्ञान, शांति और अहिंसा की रही है। बिहार में अतिथि को देवता के रूप में पूजा जाता है। ऐसे में सत्तापक्ष एवं विपक्ष को बिहार की मर्यादा को ध्यान में रखते हुए पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के कार्यक्रम में सकारात्मक सहयोग करना चाहिए। कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री का सम्मान होना चाहिए। शनिवार को जारी बयान में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता का यह मतलब नहीं है कि अपने धर्म का अपमान करें।

बागेश्वर बाबा के पटना आगमन को लेकर नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री का सम्मान होना चाहिए, नीतीश सरकार को सलाह देते हुए कहा कि अपने धर्म का अपमान, धर्मनिरपेक्षता नहीं होती।

बागेश्वर बाबा पर सियासी घमासान

इससे पहले बीजेपी के तमाम नेताओं ने नीतीश सरकार को चुनौती देते हुए कहा था कि अगर हिम्मत है तो बागेश्वर धाम को पटना आने से रोककर दिखाएं और एयरपोर्ट पर उनकी गिरफ्तारी करें। वहीं नीतीश सरकार के मंत्री सुरेंद्र यादव ने बीजेपी की चुनौती की स्वीकारते हुए बाग्श्वेर बाबा को रोकने का दावा किया है।

जालौन में सड़क हादसा, पांच मरे 17 घायल

जालौन। उत्तर प्रदेश में जालौन जिले के माधवगढ़ क्षेत्र में रविवार भोर एक बस के गहरे गड्ढे में गिरने से उसमें सवार पांच यात्रियों की मृत्यु हो गयी जबकि 17 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये।

पुलिस अधीक्षक ईरज राजा ने बताया शनिवार रात रेडर क्षेत्र मंडेला गांव से एक बारात रामपुरा थाना क्षेत्र के दुतावली गांव आई थी। बारात को लेकर बस वापस मंडेला जा रही थी कि भोर करीब तीन बजे माधवगढ़ क्षेत्र के गांव गोपालपुरा के पास किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे बस गहरे गड्ढे में गिर गई।

इस हादसे में बस में सवार सभी यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू करते हुए सभी गंभीर घायलों को सीएचसी रामपुरा भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने पांच यात्रियों को मृत घोषित कर दिया। घायलों का उपचार जारी है जिनमें एक की हालत नाजुक होने के कारण उसे ईलाज के लिये हायर सैन्टर रेफर किया गया है। मृतकों में रघुनंदन (48), कुलदीप सिंह (38), शिरोमन (65)

जालौन के निवासी थे जबकि बस चालक कल्लू और परिचालक विकास राजावत मध्य प्रदेश के भिंड जिले के रहने वाले थे। हादसे में घायलों की पहचान बृजेंद्र ,अशोक, लालता प्रसाद,वीर सिंह,शिव शंकर, सुंदर, कल्लू, शिव सिंह, महिपाल,लल्लू,राजेंद्र,रविंद्र के तौर पर की गयी है।

आजम खान को एक और झटका, करीबी रहे रिटायर्ड सीओ आले हसन गिरफ्तार; कोर्ट से जारी हुआ था गैर जमानती वारंट

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को एक और झटका लगा है। पुलिस ने उनके करीबी रहे रिटायर्ड सीओ आले हसन को गिरफ्तार कर लिया है। आले हसन के खिलाफ कोर्ट ने शत्रु संपत्ति मामले में गैर जमानती वारंट जारी किया था। आले हसन, आजम खान के साथ कई गंभीर मामलों में आरोपी हैं। आरोप है कि वह कई मामलों में हाजिर नहीं हो रहे थे। लिहाजा, वारंट तामील करते हुए पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इसके पहले 2020 में भी आले हसन की गिरफ्तारी हुई थी। रामपुर की सिविल लाइंस पुलिस ने उन्हें कोर्ट जाते वक्त रास्ते से गिरफ्तार किया था। आले हसन को किसी समय में आजम खान का दाहिना हाथ बताया जाता था। वह जौहर विश्वविद्यालय

के सिक्योरिटी ऑफिसर रहे। बताया जाता है कि जब यूपी में समाजवादी पार्टी की सरकार थी थी तो रामपुर में आजम खान के साथ आले हसन की भी तूती बोलती थी। रामपुर पुलिस में सीओ के अलावा आले हसन कई थानों के प्रभारी भी रहे। उन पर रामपुर सिटी के सीओ रहते जौहर विश्वविद्यालय के लिए जमीन कब्जाने में आजम खान का साथ देने के आरोप लगे। पुलिस महकमे से सेवानिवृति के बाद आजम खान ने उन्हें जौहर विश्वविद्यालय का सिक्योरिटी ऑफिसर बना दिया था। आले हसन, वक्फ की जमीन कबजाने के मामले में भी आरोपी हैं।

भड़काऊ भाषण मामले में आज होगी सुनवाई

उधर, आजम खां के भड़काऊ भाषण के मामले में सुनवाई नहीं हो सकी। अब इस मामले की सुनवाई आठ मई को होगी। शहजादनगर थाने में दर्ज भड़काऊ भाषण के मामले में सपा नेता के 313 के तहत बयान हो चुके हैं। उनकी ओर से साफ सफाई के लिए साक्ष्य प्रस्तुत किए जा रहे हैं। सोमवार को भी सुबूत पेश किए जाने थे। लेकिन इस मामले की सुनवाई नहीं हो सकी। अब इस मामले की सुनवाई आठ मई को होगी।

टिकरी बॉर्डर से जंतर-मंतर के लिए निकला किसानों का जत्था, सिंघु बार्डर पर दिल्ली पुलिस का नाका

झज्जर/बहादुरगढ़/सोनीपत। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर दिल्ली में जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों को दिल्ली पुलिस से हुई झड़प के बाद हर तरफ से समर्थन मिल रहा है। किसानों व खापों के समर्थन की घोषणा के बाद दिल्ली पुलिस अलर्ट पर है। दिल्ली पुलिस ने सिंघु बॉर्डर पर नाका लगा रखा है। वाहनों को जांच के बाद ही दिल्ली में प्रवेश दिया जा रहा है। वहीं कुंडली बॉर्डर पर सोनीपत पुलिस की भी एक कंपनी तैनात कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था बेहतर रखने के साथ ही ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए पुलिस तैनात है। राजधानी दिल्ली के टिकरी बॉर्डर पर एक बार फिर से किसान और दिल्ली पुलिस आमने-सामने हो गए। महिला पहलवानों के समर्थन के लिए जंतर मंतर के लिए निकले किसानों के जत्थे को दिल्ली पुलिस ने टिकरी बॉर्डर पर रोक लिया, लेकिन महिला किसान दिल्ली पुलिस के नाकों तोड़कर पैदल ही आगे बढ़ चली। महिला किसानों ने एमसीडी के कमर्शियल टोल प्लाजा पर जाकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। सड़क पर जाम लगा दिया। जिसके बाद दिल्ली पुलिस के हाथ पैर फूल गए और आनन-फानन में महिला किसानों के जत्थे को आगे बढ़ने की

अनुमति दे दी। दर्जन भर बसों में सवार होकर सैकड़ों महिला किसान पंजाब के विभिन्न हिस्सों से दिल्ली के जंतर मंतर के लिए आई हैं। अपने साथ में खाना बनाने का सामान भी लेकर किसान पहुंचे हैं। महिला किसानों का कहना है कि सरकार को भारतीय कुश्ती संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृज भूषण शरण को तुरंत गिरफ्तार करना होगा। महिला पहलवान लगातार धरना प्रदर्शन कर रही हैं और मंच से बता रही हैं कि उनके साथ यौन शोषण हुआ है। ऐसे में आरोपी को तुरंत गिरफ्तार करना चाहिए और सख्त से सख्त सजा देनी चाहिए। महिलाओं ने कहा कि अगर उन्हें रोका गया तो वही रुक जाएगी। फिलहाल 1 दिन के प्रदर्शन के लिए दिल्ली आई हैं।

जांच की जरूरत नहीं, बेटियों को मिले न्याय

पंजाब के भारतीय किसान यूनियन एकता उग्राहां संगठन से जुड़ी हुई सैकड़ों महिलाएं कल ही पंजाब से दिल्ली के लिए रवाना हो गयी थी। महिलाओं को पहला पड़ाव जींद में था और आज का बड़ा वाला जंतर मंतर पर रहने वाला है। महिलाओं के साथ भारतीय किसान यूनियन एकता उग्राहां संगठन के प्रधान जोगेंद्र सिंह उग्राहां भी जंतर-मंतर गए हैं। जोगिंदर उग्राहां का कहना है कि इस मामले में जांच की जरूरत नहीं है। जब बेटियां मन से कह रही हैं कि उनके साथ यौन शोषण हुआ है तो उन्हें न्याय मिलना चाहिए। बृजभूषण शरण को जल्द से जल्द गिरफ्तार करना चाहिए और सख्त से सख्त सजा देनी चाहिए।

एनडीएमसी ने सुविधा शिविर में प्राप्त की 95 शिकायतें

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं को सूचना, सुविधा और शिकायत निवारण प्रदान करने के लिए एनडीसीसी कन्वेन्शन सेंटर में सुविधा शिविर का आयोजन किया। इस बीच एनडीएमसी के संबंधित अधिकारियों ने शिविर में जनता से 95 शिकायतें प्राप्त की।

निवासियों की अधिकांश शिकायतें कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, बागवानी, सार्वजनिक स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्यिक, कर और संपदा विभागों से संबंधित हैं। इसके अलावा सैकड़ों स्थानीय निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं ने नागरिक सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए सुविधा शिविर का दौरा किया। एनडीएमसी द्वारा शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए विभिन्न विभागों से संबंधित अधिकारियों ने जनता से उनकी जन शिकायतों पर आमने-सामने चर्चा की और उनका समाधान किया गया।

नीति स्तर के निर्णयों की आवश्यकता वाली शिकायतों को उनके निवारण की संभावित समय-सीमा के साथ समझाया गया।

एनडीएमसी के 30 विभागों के सौ से अधिक अधिकारी/कर्मचारी शिकायतों के मौके पर निवारण के लिए शिविर में मौके पर मौजूद रहे। विभिन्न विभागों के हेल्प डेस्क की निगरानी उनके विभागाध्यक्ष करते रहे । इन सुविधा शिविरों के आयोजन के अलावा पालिका परिषद क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं के लिए संपर्क रहित शिकायत निवारण तंत्र के रूप में एक जन सुविधा पोर्टल भी लॉन्च किया हुआ है।

इस जन सुविधा पोर्टल का लिंक एनडीएमसी की वेबसाइट (https://www.ndmc.gov.in/complaints.asp&) पर उपलब्ध है।

सावन कृपाल रूहानी मिशन द्वारा गर्मी में ठंडा पानी वितरण किया गया

सूरत भूमि। सावन कृपाल रूहानी मिशन द्वारा गर्मी में ठंडा पानी वितरण किया गया । दयाल पुरुष संत दर्शन सिंह जी महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर शीतल जल का वितरण किया गया। लगभग 20000 लोगों ने सेवा का लाभ उठाया। सेवा डाकोर में की गई थी।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के वर्तमान प्रमुख संत राजिंदर सिंह जी महाराज के रूप में मार्गदर्शन कर रहे हैं। उसी महान आध्यात्मिक विरासत के साथ, संत राजिंदर सिंहजी महाराज आध्यात्मिक यात्रा के एक मास्टर हैं, वे बताते हैं कि ध्यान के माध्यम से हम उस स्थान तक पहुँच सकते हैं जहाँ हम स्थायी प्रेम, शांति और आशीर्वाद से भरे जीवन का आनंद ले सकते हैं।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के विश्व में 3200 से अधिक केंद्र हैं।उनका साहित्य 55 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध है। इस संगठन का भारतीय मुख्यालय दिल्ली के विजयनगर में है। और अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय लिस्ले, इलिनोइस, यूएसए में है।

स्व0 चौधरी अजित सिंह जी की दूसरी पुण्य तिथि पर पार्टी अध्यक्ष जयन्त चौधरी ने किए श्रद्धा-सुमन अर्पित

नई दिल्ली। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व अध्यक्ष स्व0 चौधरी अजित सिंह जी की दूसरी पुण्य तिथि पर पार्टी अध्यक्ष जयन्त चौधरी, सांसद ने राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर पार्टी के उपाध्यक्ष शाहिद सिद्दीकी, महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी, महासचिव डा0 मैराजुद्दीन अहमद, महासचिव गिरीश चौधरी, महासचिव के0 पी0 चौधरी, लीगल सेल के अध्यक्ष रविकांत चड्ढा, कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह, चौ0 चरण सिंह विचार मंच के संयोजक एस0 के0 वर्मा (आई.ए.एस. रिटायर्ड), अनुसूचित जाति / जनजाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष ओ0 पी0 सागर, प्रवक्ता भूपेन्द्र चौधरी, प्रवक्ता निशा चौधरी, वरिष्ठ नेता वीरेन्द्र राठी, उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय लोकदल के मीडिया संयोजक सुनील रोहटा, नवाब अहमद हमीद, मनोज चौधरी, इन्द्रजीत सिंह टीटू, तेजपाल सिंह, प्रबुद्ध कुमार, दिल्ली प्रदेश राष्ट्रीय लोकदल अध्यक्ष रजनीश मलिक, महासचिव मनमोहन सिंह के अलावा पार्टी के अनेक नेताओं व कार्यकर्ताओं ने भी दिवंगत नेता को श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

नोएडा में युवक की गोली मारकर हत्या, पिता व भाई फरार

नोएडा। थाना बादलपुर क्षेत्र के बीरमपुर गांव में रहने वाले एक युवक की आज सुबह को गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस मामले में उसके मामा ने तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि उक्त हत्या में मृतक के पिता और भाई का हाथ है। पुलिस उनकी गिरफतारी का प्रयास कर रही है। बताया जाता है मृतक ने वर्ष 2012 में अपने चचेरे भाई की हत्या कर दी थी। उस मामले में यह जेल से छूट कर आया था।

पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) राम बदन सिंह ने बताया कि आज सुबह को थाना बादलपुर पुलिस को सूचना मिली कि बीरमपुर गांव में रहने वाले कपिल उम्र 26 वर्ष पुत्र रुकन सिंह की हत्या कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इस मामले में मृतक के मामा ने 3 अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना बादलपुर में मुकदमा दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच कर रही पुलिस ने जब सीसीटीवी और सर्विलांस विधि से घटना की जांच की तो पता चला कि कपिल को उसके पिता और भाई रोबिन ने गोली मारकर हत्या की है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि वर्ष 2012 में कपिल अपने चचेरे भाई निशांत की हत्या के मामले में जेल गया था। उन्होंने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि आरोपी फरार है। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

भाजपा ने केजरीवाल के खिलाफ लॉन्च किया 'झूठा कहीं का' कैंपेन

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के प्रभारी बैजयंत जय पांडा एवं अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ 'झूठा कहीं का' कैंपेन लॉन्च किया। बैजयंत जय पांडा ने कहा कि 14 वीडियो वैन दिल्ली के सभी 14 जिलों के लिए रवाना हुई है, जिसमें एक 27 मिनट की वीडियो में केजरीवाल के दिल्ली की जनता से बोले गए झूठ, मक्कारी और भ्रष्टाचार की कहानी दिखाई जाएगी।

भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल का 45 करोड़ रुपये अपने आवास पर खर्च करना विषय तो है, लेकिन उन पैसों को खर्च करने का तरीका भी गलत है, जिस उद्देश्य के साथ आज यह वीडियो वैन रवाना किया जा रहा है। वह जब तक पूरा नहीं होता तब तक भाजपा का संघर्ष जारी रहेगा और ऐसे ही केजरीवाल के झूठे और मक्कार चेहरे को बेनाकाब करते रहेंगे।

रामवीर सिंह विधूड़ी ने कहा है की यह वीडिओ ना सिर्फ वैन के माध्यम से बल्कि सोशल मीडिया पर भी बड़ा प्रभाव डाल कर अरविंद केजरीवाल की पोल खोलेगी। हर्षवर्धन ने कहा हमने जो वीडियो लॉन्च की है यह केजरीवाल के झूठ उजागर करने का एक प्रयास है।

इस बीच बैजयंत जय पांडा ने कहा कि खुद को आम आदमी कहते-कहते आज केजरीवाल ने 45 करोड़ रुपये की लागत से दिल्लीवासियों की गाढ़ी कमाई को लूटकर अपना राजमहल बनवाने में जो भ्रष्टाचार किया है, उसकी गूंज अब दिल्ली के घर-घर तक सुनाई देगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता जान चुकी है कि आखिर केजरीवाल के भ्रष्टाचार रुपी पर्दे के पीछे क्या छिपा हुआ था। पांडा ने कहा कि जब शराब नीति में भ्रष्टाचार की खबरें आई तो उस वक्त अहंकारी केजरीवाल सरकार ने चुनौती दी थी कि अगर नीति में कोई भ्रष्टाचार हुआ है तो अरेस्ट करो। आज मनीष सिसोदिया जेल के अंदर हैं। उन्होंने दिल्लीवासियों से आह्वान किया कि केजरीवाल सरकार से सवाल पूछना चाहिए कि आखिर क्यों एक मंत्री को 10 महीने से और दूसरे को 3 महीने से जेल से जमानत नहीं मिल रही है। एक करोड़ रुपये पर्दे पर खर्च करने वाले केजरीवाल किसी भी तरीके से आम आदमी नहीं लग रहे हैं।

रील बनाने का जुनून : 15 सेकेंड की शोहरत के लिए युवा लहराते हैं हथियार, जान से खिलवाड़,मुकदमा दर्ज

नोएडा। सोशल मीडिया पर फेमस होने के लिए रील बना कर अपनी और दूसरे की जान जोखिम में डालने के मामले कम नहीं हो रहे हैं। एक तरफ पुलिस लगातार ऐसे वाहन चालकों का चालान कर रही है, उन्हें गिरफ्तार कर उनकी गाड़ियां सीज कर रही है, जो स्टंटबाजी करते हुए पकड़े जाते हैं, लेकिन उसके बाद भी मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इंटरनेट पर वायरल होने का नया ट्रेंड सोशल मीडिया पर खूब चल रहा है। पिछले 2 महीने में इस तरीके के मामले 3 गुना बढ़ गए हैं। कार्रवाई करने के नाम पर उनके वाहनों को सीज कर मालिकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। फिर भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐसे वीडियो की बाढ़ सी दिखाई दे रही है। इस वर्ष बीते 4 माह में स्टंट कर वीडियो बनाने के 75 मामले सामने आ चुके हैं। सबसे अधिक मामले पिछले 2 महीनों में दर्ज किए गए हैं। पिछले 2 माह में करीब 44 ऐसे मामले सामने आए हैं। इनके वाहन स्वामियों पर भारी-भरकम जुर्माने के साथ-साथ इनके वाहनों को सीज कर मुकदमा किया गया है। सबसे कम 7 मामले जनवरी में आए थे। वहीं फरवरी में इनकी संख्या बढ़कर 14 हो गई और फिर धीरे-धीरे हर महीने यह मामले बढ़ते रहे। बीते दिनों नोएडा में दो स्कार्पियो सवार लोगों के वीडियो वायरल हो रहे हैं।

एलजी ने फ्लाइंग ऑफिसर बेटी को किया सम्मानित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के द्वारा सेलेक्शन होकर देश की पांचवी महिला फ्लाइंग ऑफिसर बनने वाली और दिल्ली पुलिस में तैनात हेड कांस्टेबल ललित कुमार की बेटी कोमल दहिया को उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने बुलाकर सम्मानित किया। इस सफलता के लिए बधाई दी, उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। कोमल के पिता ललित अभी एलजी हाउस में तैनात हैं। उसके बाद उत्तरी जिले के डीसीपी सागर सिंह कलसी ने भी कोमल दहिया को डीसीपी ऑफिस में बुलाकर यहां के सभागार में सम्मानित किया। कोमल ने पुलिस सभागार में सबको बताया कि वह किस तरह पहले ह्यूमेनिटिज की स्टूडेंट थी, लेकिन 6 महीने बीतने के बाद उसने स्विच किया और साइंस की पढ़ाई की शुरुआत की। उनकी मां ने काफी हौसला अफजाई किया, मोटिवेट किया लगातार उनके साथ लगी रही और कहती रही तुम कर सकती हो। उल्लेखनीय है कि कोमल हरियाणा के सोनीपत के एक गांव की रहने वाली है। पांचवी तक की पढ़ाई गांव के एक स्कूल में की। एनडीए में लड़कियों के थर्ड बैच में लड़कियों में पांचवा रैंक हासिल किया है। लड़की और लड़कों को मिलाकर इसे 34 वां रैंक मिला है। परिवार के लोग और दिल्ली पुलिस परिवार कोमल की सफलता से गौरवान्वित है। कोमल के पिता ललित कुमार 2018 में कॉन्स्टेबल के रूप में दिल्ली पुलिस में भर्ती हुए थे। अभी हेड कांस्टेबल के रूप में इनकी पोस्टिंग एलजी हाउस में है।

एटीएस गाजियाबाद के भोजपुर और मुरादनगर में छापेमारी, PFI के पांच संदिग्ध पकड़े

गाजियाबाद। यूपी एटीएस ने भोजपुर और मुरादनगर क्षेत्र में देर रात छापेमारी कार्रवाई की है।

यूपी एटीएस ने शनिवार देर रात गाजियाबाद के थाना भोजपुर क्षेत्र के मुस्लिम बाहुल्य गांव कलछीना और मुरादनगर के गांव नेकपुर में छापेमारी की है। इस दौरान एटीएस ने दोनों जगहों से पांच संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया और उनकों अपने साथ नोएडा ले गई

हालांकि अभी इस छापेमारी की कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बता दें कि करीब छह माह पहले भी गाजियाबाद के कलछीना और नेकपुर में यूपी एटीएस कार्रवाई कर चुकी है। इस दौरान पश्चिम यूपी के मेरठ में भी कई जगहों पर एटीएस और आईबी की छापेमार कार्रवाई हुई थी। जिसमें मेरठ से एक पीएफआई एजेंट गिरफ्तार किया गया था।

दिल्ली के जंतर मंतर पर खिलाड़ियों के समर्थन में पहुंचे राकेश टिकैत, बोले- सरकार खिलाड़ियों की बात सुने

गाजियाबाद। देश की राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों के साथ हुई बदसलूकी के बाद किसान संगठनों द्वारा 7 मई को जंतर-मंतर जाने का ऐलान किया गया था। जिसको लेकर आज दिल्ली गजियाबाद के गाजीपुर बॉर्डर पर भारी मात्रा में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। प्रत्येक गाड़ी को चेक कर दिल्ली में एंट्री दी जा रही है।

वही आज भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत गाजीपुर बॉर्डर पहुंचे और उन्होंने कहा बृज भूषण के खिलाफ मुकदमा दर्ज है, पुलिस को बृजभूषण को तुरंत गिरफ्तार करना चाहिए, सरकार को खिलाड़ियों की बात को सुनना चाहिए। किसान नेताओं का कहना है कि वह किसान खिलाड़ियों को समर्थन देने जा रहे हैं तो उन्हें रोकना नहीं चाहिए।

सिख महिला ने लगाया लव जिहाद का आरोप, रेप और धर्मातरण की धमकी का केस दर्ज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में कथित 'लव जिहाद' के एक मामले में एक सिख महिला ने अपने मुस्लिम दोस्त पर बलात्कार, उसका अश्लील वीडियो रिकॉर्ड करने और उसे धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि जब उसने धर्म परिवर्तन से इनकार कर दिया, तो आरोपी अजमत अली खान ने उसे चेहरे पर तेजाब फेंकने और जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस ने रेप समेत आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है।

एफआईआर, किया गया, उसमें कहा गया कि 2016 में पीड़िता की मुलाकात लक्ष्मी नगर निवासी अजमत अली खान से फेसबुक पर हुई और वे दोस्त बन गए। पीड़िता का कहना है कि खान उसके डांस टीचर का म्यूचुअल फ्रेंड था। बाद में इनकी दोस्ती और गहरी हुई और 2017 तक ये रिलेशनशिप में आ गए। महिला ने आरोप लगाया है कि जब हमने शारिरिक संबंध बनाए, तो उसने इसका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया।

उन्होंने कहा, खान ने मुझे मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया, लेकिन मैंने इनकार कर दिया। मैंने उससे कहा कि मैं एक सिख लड़की हूं और शादी के बाद भी सिख ही रहना चाहती हूं। लेकिन खान ने मुझसे कहा कि मुझे इस्लाम कबूल करना होगा, बुर्का पहनना होगा, दिन में पांच बार नमाज पढ़नी होगी और रोजा रखना होगा। मैंने अपना धर्म बदलने से इनकार कर दिया और उससे कहा कि वह मुझे प्यार के नाम पर इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर नहीं कर सकता और मैंने संबंध तोड़ने का फैसला किया।

इसके बाद पीड़िता ने खान से दूरी बनानी शुरू कर दी। 2018 के बाद वह खान से कभी नहीं मिलीं। लेकिन आरोपी उसे मैसेज करता रहा। 2019 में खान ने पीड़िता को धमकी दी थी। पीड़िता ने आरोप लगाया है, 'उसने मुझे धमकी दी कि अगर मैंने उसे नजरअंदाज किया तो वह मेरे सभी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। उसने मेरा पूरा करियर बर्बाद करने की धमकी दी। वह मुझे गालियां देता रहा।'

उसने आरोप लगाया कि 2 अप्रैल को खान ने जनकपुरी पुलिस स्टेशन में उस पर हमला किया। पीड़िता ने आरोप लगाया, 'उसने मेरे चेहरे पर तेजाब फेंकने की धमकी दी। साथ ही उसने कहा कि अगर मैंने उसे नजरअंदाज करने की कोशिश की तो वह मुझे जिंदा दफन कर देगा।'

पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद डाबरी थाने में दुष्कर्म और दूसरी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि वे मामले की जांच कर रहे हैं। अभी तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और आरोपी ने अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दी है।

बाबा रामदेव ने महिलाओं को बताया खुशहाल जीवन का मंत्र, कहा- योग से जुड़कर दूर होंगे सारे रोग

ग्रेटर नोएडा। ई दिल्ली, जागरण संवाददाता। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में रविवार को महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस महिला सम्मेलन में योग गुरु बाबा रामदेव में महिलाओं को खुशहाल जीवन के गुर सिखाएं हैं।

अपना धैर्य न तोड़ें महिलाएं : योग गुरु

योग गुरु ने महिला सम्मेलन में पहुंची महिला को संबोधित करते हुए कहा, घर परिवार को अच्छा बनाएं, 99 प्रतिशत धैर्य उनके पास, एक प्रतिशत धैर्य टूटता है, तो कहा जाता है कलह करा दी। मां, अपना धैर्य न छोड़े, विपत्ति, अंधकार में भी खुद और ईश्वर पर विश्वास रखें। अपने स्वधर्म, मातृ धर्म से, योग धर्म और गुरु ज्ञान से अपना आपा कभी न खोना और इसी सूत्र से पतंजलि जैसा संस्थान चला रहा। सनातन धर्म आज तक जिंदा है तो इसमें मां, बहन, बेटियों का योगदान सबसे ज्यादा है।

पुरुषों की सौभाग्य का कारण हैं महिलाएं

पुरुषों में 25 प्रतिशत लोग नशेड़ी होते हैं और नहीं तो उन्हें अहंकार का नशा होता है, लेकिन माताओं के वजह से पुरुषों का गुजारा हो रहा है। क्योंकि पुरुषों का सौभाग्य का कारण महिलाएं हैं। कभी धीरज मत खोना, निजता से नीचे नहीं आना। अपना आपा न खोना। पिछले साढ़े तीन साल, चार साल से, चाहे कितना ही कार्य हो, देर सवेर हो, तय किया योग कभी छोड़ना है, यह किया, लोगों से कहांङ्करोज योग करेंगे और कराएंगे, सनातन पथ और ऋषियों के पथ पर चलेंगे और चलाएंगे। जब से व्यक्ति योग से दूर हुआ तो रोग, दुर्भाग्य, बेमानी, नास्तिकता आ गई, दुर्गुण, दोष आ गया, स्वधर्म से दूर चला गया। जिस दिन यह संसार योग से जुड़ जायेगा, दरिद्रता और रोगों से दूर हो जाएगा।

'टीवी सीरियल देखना करें बंद'

उन्होंने आगे कहा- टीवी सीरियल, फिल्में देखना बंद कर दें, ओटीटी ने अनाप शनाप, चीजें, घृणा की आग, वासनाओं की आग...कामुकता की ज्वालाएं बच्चों तक में, इसलिए आपको बच्चों के दिल में कोई आग न लगा सकें, इससे बच्चों को बचाओ। उसकी जगह सृजनात्मकता पर हो जोर। लक्ष्य तय कर लो, जीवन का लक्ष्य।आजकल गैंग वाले सकते में हैं। देश में कुछ अच्छा-अच्छा हो रहा है। मैंने कहा, अतीक तो प्रतीक है, अभी तो एक लंबी यात्रा है। अतीक तो अतीत हो चुका है, वह तो छोटी-सी घटना है। मैं उसको बहुत बड़ा तुर्रम खां नहीं समझता, लेकिन जब अपराधी, अपराधी को जोड़ सकता है, आतंकवादी आतंकवादी को, हम तो राष्ट्रवादी हैं तो राष्ट्रवादी को जोड़ेंगे।

कर्नाटक चुनाव के ठीक पहले बजरंग दल करेगा कांग्रेस पर वार, हिंदूवादी संगठन की पीएफआई से की थी तुलना

नई दिल्ली। कर्नाटक के विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 10 मई को है। इसके ठीक एक दिन पहले बजरंग दल द्वारा 9 मई को देशव्यापी हनुमंत शक्ति जागरण का धार्मिक अनुष्ठान किया जाएगा। ताकि चुनाव में कांग्रेस पार्टी के विरुद्ध माहौल बनाया जा सके। इस चुनाव को लेकर जारी घोषणापत्र में कांग्रेस पार्टी ने सत्ता में आने पर बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है इससे बजरंग दल समेत हिंदूवादी संगठनों में खासी नाराजगी है। बजरंग दल के पदाधिकारियों के अनुसार, बजरंग दल देश भर में 'कुमति निवार सुमति के संगी' सामूहिक श्री हनुमान चालीसा के माध्यम से, हनुमत शक्ति का व्यापक जन जागरण कर कांग्रेस सहित अन्य उन जैसे संगठनों जिनमें आतंकियों और देशविरोधी लोगों के प्रति सहानुभूति दिखाई देती है, उस मानसिकता की सद्बुद्धि के लिए भगवान बजरंगबली का आह्वान करेगा।

अपमानजनक है बजरंग दल की PFI से तुलना

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने इसकी घोषणा करते हुए कहा है कि कर्नाटक

कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र और उसके बाद राजस्थान, छत्तीसगढ, हिमाचल प्रदेश, व महाराष्ट्र सहित अनेक राज्यों में कांग्रेसी व कुछ अन्य हिंदू विरोधी नेताओं द्वारा बजरंग दल को प्रतिबंधित करने व इस देशभक्त संगठन की तुलना पीएफआइ जैसे देशद्रोही, आतंकी व हिंसक संगठन से करना बहुत ही अपमान जनक है। हिंदू समाज निश्चित रूप से इस तरह के अपमान का लोकतांत्रिक सबक सिखाएगा।

9 मई को देशभर में होगा प्रदर्शनः विहिप महामंत्री

उन्होंने कहा कि इन सारे नेताओं को क्या नहीं दिखता कि बजरंग दल देश भर में गौ रक्षा, कन्या रक्षा, रक्तदान, मठ मंदिर व धर्म रक्षा के साथ मतांतरण रोकने जैसे अनेक प्रकार के सेवा कार्यों में लगा हुआ है? विहिप महामंत्री ने सम्पूर्ण हिंदू समाज का आह्वान करते हुए कहा है कि बजरंगबली के भक्तों के अपमान के विरोध स्वरूप नौ मई को देशभर में हजारों स्थानों पर होने वाले इन हनुमान चालीसा कार्यक्रमों में से किसी ना किसी एक में अपने परिजनों, पड़ोसियों व मित्रों के साथ अवश्य शामिल होकर ऐसी शक्तियों को परास्त करने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

अमेरिका में अप्रैल में 2.53 लाख लोगों को मिला रोजगार

–छंटनी की दर कम व नई भर्तियों की संख्या है अधिक

वाशिंगटन। अमेरिका के नियोक्ताओं ने फेडरल रिजर्व की ब्याज दर बढ़ोत्तरियों के बीच अप्रैल महीने में कुल 2.53 लाख रोजगार मुहैया कराए। अमेरिकी श्रम विभाग ने शुक्रवार को जारी रोजगार आंकड़ों में बताया कि इस महीने में बेरोजगारी दर घटकर 3.4 प्रतिशत पर आ गई, जो पिछले 54 साल के सबसे निचले स्तर के बराबर है। श्रम विभाग ने कहा कि अप्रैल में भर्ती गतिविधियां ठोस रहीं, जबकि फरवरी और मार्च के महीनों में इससे सुस्ती देखी गई थी। अप्रैल में प्रति घंटे का मेहनताना जुलाई के बाद सबसे तेजी से बढ़ा। हालांकि यह आंकड़ा मुद्रास्फीति पर नजरें टिकाए बैठे फेडरल रिजर्व अधिकारियों की चिंता बढ़ा सकता है। दरअसल, वेतन बढ़ने पर मुद्रास्फीति बढ़ने की भी आशंका बढ़ जाती है। जानकारों का कहना है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक की तरफ से ब्याज दर में वृद्धि जारी रखने के बावजूद रोजगार बाजार में मजबूती बनी हुई है। छंटनी की दर अब भी कम है जबकि नई भर्तियों की संख्या तुलनात्मक रूप से अधिक है।

ऑस्ट्रेलिया में फिर खालिस्तानियों ने मंदिरों में तोड़फोड़ की

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में फिर खालिस्तानियों ने मंदिरों में तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया है। रोजहिल उपनगर के बाप्स स्वामीनारायण मंदिर में तोड़फोड़ की गई है। खालिस्तान समर्थकों ने मंदिर पर हमला कर तोड़फोड़ की। साथ ही मंदिर के गेट पर खालिस्तान का झंडा लटका दिया। लोकल मीडिया ने बताया कि जब मंदिर प्रबंधन शुक्रवार को पूजा करने के लिए पहुंचा, तब देखा कि मंदिर की दीवार टूटी हुई है। वहीं गेट पर खालिस्तान का झंडा भी लटका हुआ है। प्रतिदिन मंदिर जाने वाले हैरिस पार्क के स्थानीय निवासी ने बताया कि जब वह सुबह पूजा के लिए पहुंचे, तब देखा कि मंदिर की सामने वाली दीवार पर तोड़फोड़ की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक सुबह 7 बजे स्थानीय पुलिस को घटना के बारे में सूचित किया गया। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मंदिर में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि 24 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक परमट्टा के लिए संसद सदस्य एंड्रयू चार्लटन घटना की सूचना पाते ही मंदिर पहुंचे। चार्लटन ने मंदिर के अधिकारियों के साथ दीवार को फिर से रंगने में मदद की। उन्होंने कहा कि मैं इस घटना से बहुत ही हैरान और दुखी हूं। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

यूनिसेफ ने दी जानकारी : सूडान में हिंसा के कारण 10 लाख पालिया खुराक हुई नष्ट

खार्तूम। सूडान कई दिनों से हिंसा की आग में सुलग रहा है। अप्रैल से जारी हिंसा में कई लोगों की मौत और लूटपाट की घटनाएं देखी जा चुकी हैं। हिंसा के बाद फैली अराजकता ने बच्चों के लिए रखे पोलियो के 10 लाख से अधिक टीके नष्ट कर दिए हैं। बच्चों के लिए संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूनिसेफ ने इसकी जानकारी दी। इसके पहले खबर आई थी कि लड़ाई में शामिल एक पक्ष ने देश की उस लैब पर कब्जा किया था जिसमें कई घातक बीमारियों के सैंपल रखे हुए थे। यूनिसेफ के आपातकालीन कार्यक्रम कार्यालय के उप निदेशक हेजल डे वेट ने बताया, दारफुर में 10 लाख से अधिक पोलियो वैक्सीन सहित कई कोल्ड चेन सुविधाओं को लूट लिया गया, क्षतिग्रस्त कर नष्ट कर दिया गया है। 2022 के अंत में प्रकोप के बाद एजेंसी सूडान में पोलियो टीकाकरण अभियान चला रही थी। पोलियो एक घातक बीमारी है जो मुख्य रूप से 5 साल से कम उम्र के बच्चों को अपना शिकार बनाती है। यह विकलांगता और कई बार मृत्यु का कारण भी बन सकती है। अफ्रीका को 2020 में वाइल्ड पोलियो से मुक्त घोषित किया गया था। लेकिन मलावी, मोजाम्बिक और सूडान में पिछले साल से बाहर से आए मामले सामने आ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के डेटाबेस से पता चलता है कि सूडान में हेल्थ केयर से जुड़ी इमारतों पर 28 हमले हुए हैं। यह संघर्ष पिछले महीने शुरू हुआ था जिसमें सूडान की सेना और पैरामिलिट्री रैपिड सपोर्ट फोर्स एक-दूसरे के खिलाफ भीषण तरीके से जंग लड़ रहे हैं। वर्ल्ड फूड प्रोग्राम सहित कई एजेंसियों ने सूडान संकट के दौरान लूटपाट की सूचना दी है जिसमें 13 से 14 मिलियन डॉलर की सप्लाई के नुकसान की खबर है। पिछले महीने डब्ल्यूएचओ ने एक बड़े जैविक खतरे की चेतावनी दी थी क्योंकि कुछ लड़ाकों ने नेशनल पब्लिक हेल्थ लेब्रोटरी पर कब्जा कर लिया था।

कर्ज से दबे श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, मार्च में 2.69 अरब डॉलर पर पहुंचा

कोलंबो। श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार इस साल मार्च में बढ़कर 2.69 अरब डॉलर हो गया। एक साल पहले इसी महीने में विदेशी मुद्रा भंडार पांच करोड़ डॉलर था। सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका के शुक्रवार को जारी आंकड़ों से श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में कुछ सुधार के संकेत मिल रहे हैं। श्रीलंका वित्तीय संकट में है और उस पर कुल 83.6 अरब डॉलर कर्ज है, जिसमें से विदेशी कर्ज 42.6 अरब डॉलर जबकि घरेलू कर्ज 42 अरब डॉलर है। श्रीलंका ने अप्रैल 2022 में अपनी पहली ऋण चूक की घोषणा की थी। यह 1948 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता मिलने के बाद उसका सबसे खराब आर्थिक संकट था, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हो गई थी और महंगाई तथा उत्पादों की कमी को लेकर जनता सड़कों पर उतर आई थी। आंकड़ों के अनुसार श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले वर्ष मई के पांच करोड़ डॉलर से सुधरकर अब मार्च 2023 में 2.69 अरब डॉलर हो गया है।

नेपाल में हेलीकाप्टर हादसे में एक की मौत, चार घायल

काठमांडू। पूर्वी नेपाल में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि पायलट समेत चार लोग घायल हो गए। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर, नेपाल की एक निजी हेलीकॉप्टर सेवा प्रदाता कंपनी का था। बयान के मुताबिक यह दुर्घटना संखुवासभा जिले में भोतेखोला नदी के पास हुई, जहां निर्माण सामग्री ले जा रहा हेलीकॉप्टर उतरने के दौरान एक पेड़ से टकरा गया। जिला प्रशासन ने कहा कि दुर्घटना में हेलीकॉप्टर पर सवार सिमरिक एयर हेलीकॉप्टर के कर्मचारी भाविन गुरुंग की मौत हो गई। हेलीकॉप्टर में कुल पांच लोग सवार थे। बयान में कहा गया ?कि हेलीकॉप्टर शुक्रवार को दुर्घटनाग्रस्त हुआ। हादसे में सिमरिक एयर हेलीकॉप्टर के एक कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि पायलट समेत चार लोग घायल हुए। काठमांडू पोस्ट अखबार की खबर के मुताबिक हेलीकॉप्टर पर सवार घायल लोगों की पहचान पायलट सुरेंद्र पौडेल, चालक दल के सदस्य शेरिंग भोटे और मनोज थापा तथा नेपाल विद्युत प्राधिकरण के कर्मचारी विक्रम शंकर के तौर पर हुई है। घटनास्थल पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि हादसे में दो घायलों की हालत गंभीर है और दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं। नेपाली सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल कृष्ण प्रसाद भंडारी ने कहा कि बचाव अभियान में सेना के हेलीकॉप्टर के साथ जवानों को तैनात किया गया है। हेलीकॉप्टर अरुण पनबिजली परियोजना से संबंधित निर्माण सामग्री लेकर काठमांडू से संखुवासभा गया था, जहां परियोजना स्थल स्थित है।

जापान में हिली धरती, भूकंप के बाद आए 50 झटके, एक की मौत

टोक्यो। मध्य जापान में शुक्रवार दोपहर को जोरदार भूकंप आया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि जापान के मुख्य द्वीप होन्शू के पश्चिमी तट पर इशिकावा प्रांत में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने भूकंप की तीव्रता 6.5 मापी और कहा कि यह लगभग 12 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। भूकंप के बाद से अब तक 50 से अधिक झटके महसूस किए गए हैं, जिनमें से एक शुक्रवार की रात को आया 5.8 तीव्रता का भूकंप भी था। इशिकावा प्रांत में नोटो प्रायद्वीप के उत्तरी सिरे पर स्थित सुजु शहर में सबसे अधिक नुकसान की सूचना है। वहां सीढ़ी से गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो गई और प्रांत में 22 अन्य के घायल होने की सूचना है, जिनमें से दो गंभीर रूप से घायल हो गए तथा बाकी को मामूली चोट आई है। प्रांत के आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक करीब 100 निवासियों ने शुक्रवार रात आश्रय केंद्रों में शरण ली।

वेटिकन में पोप फ्रांसिस बच्चों की सुरक्षा के लिए बने आयोग के सदस्यों के साथ नजर आये।

खालिस्तान कमांडो फोर्स के चीफ परमजीत पंजवड़ की पाकिस्तान में हत्या

इस्लामाबाद। आतंकी संगठन खालिस्तान कमांडो फोर्स के चीफ परमजीत सिंह पंजवड़ की लाहौर में हत्या कर दी गई है। परमजीत सिंह पंजवार उर्फ मलिक सरदार सिंह की शनिवार सुबह करीब छह बजे जौहर टाउन स्थित सनफलावर सोसायटी स्थित उसके घर के पास हत्या कर दी गयी। गोलीबारी में उनका गनमैन घायल हो गया। भारतीय पंजाब में ड्रोन के माध्यम से नशीली दवाओं और हथियारों की तस्करी में शामिल परमजीत का जन्म तरन तारन के पास पंजवार गांव में हुआ था। वह 1986 में अपने चचेरे भाई लाभ सिंह द्वारा कट्टरपंथी बनने के बाद केसीएफ में शामिल हो गए, इससे पहले वह सोहल में एक केंद्रीय सहकारी बैंक में काम कर रहे थे। भारतीय सुरक्षा बलों के हाथों लाभ सिंह के खात्मे के बाद 1990 के दशक में पंजवार ने केसीएफ की कमान संभाली और पाकिस्तान चला गया। पाकिस्तान द्वारा शरण दिए जाने वाले सर्वाधिक वांछित आतंकवादियों की सूची में शीर्ष पर पंजवार ने सीमा पार हथियारों की तस्करी और हेरोइन की तस्करी के माध्यम से धन जुटाकर केसीएफ को जीवित रखा। पाकिस्तान सरकार द्वारा इनकार के बावजूद, पंजवार लाहौर में रहे, जबकि उनकी पत्नी और बच्चे जर्मनी चले गए।

किंग चार्ल्स III राज्याभिषेक

सिर पर सज गया ताज, किंग चार्ल्स औपचारिक रूप से बन गए ब्रिटेन के नए महाराज

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के नए राजा के औपचारिक रूप से राजतिलक समारोह में सेवा कैंटरबरी के आर्कबिशप जस्टिन वेल्बी ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया। किंग चार्ल्स ने इस दौरान कहा कि मैं सेवा कराने नहीं बल्कि सेवा करने आया हूं।अपने नए राजा के राजतिलक समारोह को भव्य और शानदार बनाने के लिए ब्रिटेन की सरकार करीब ढाई सौ मिलियन पाउंड से ज्यादा की रकम खर्च कया है। इस समारोह का गवाह बनने के लिए दुनिया के नामचीन लोगों को बुलाया गया। कोरोनेशन' शब्द लैटिन शब्द कोरोना से लिया गया है जिसका अर्थ 'ताज' होता है। ताजपोशी से पहले किंग चार्ल्स और उनके बड़े बेटे प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी केट मिडलटन बकिंघम पैलेस के नजदीक अपने करीबी लोगों और शुभचिंतकों से मुलाकात की।

सिंहासन पर विराजे सम्राट और लोगों ने झुककर प्रकट की निष्ठा

सम्राट को शाही गोला प्रस्तुत किया गया। ये धार्मिक और नैतिक अधिकारों का प्रतीक होता है। सम्राट को एक राजदंड भी दिया गया। जो उनकी शक्ति का प्रतीक होता है। फिर कैटरबरी के आर्कबिशप ने सम्राट के सिर पर एडवर्ड का ताज रखा। इसके बाद सम्राट ताजपोशी की कुर्सी से उठकर सिंहासन पर बैठे और समकक्ष लोग उनके सामने झुककर कोर्निश बजाते हुए सम्राट के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट की।

राजतिलक

किंग चार्ल्स तृतीय को राजतिलक के लिए सम्राट वाली कुर्सी पर बिठाया गया फिर कुर्सी के चारों तरफ सुनहरे कपड़े का घेरा बनाया गया। जिससे सम्राट लोगों को दिखाई न दे सकें। इस दौरान कैटरबरी के आर्कबिशप सम्राट के हाथों, सीने और सिर पर पवित्र तेल से अभिषेक किया।

किंग चार्ल्स ने ली शपथ

कैंटरबरी के आर्कबिशप ने ब्रिटेन में चर्च ऑफ इंग्लैंड को एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा देने की कोशिश करेंगे जिसमें सभी धर्मों के लोग स्वतंत्र रूप से रह सकें कहकर ब्रिटेन में मनाए गए कई धर्मों को स्वीकार करते हैं। वह तब राज्याभिषेक की शपथ दिलाता है। राजा अपना हाथ होली गोस्पेल पर रख वादों को ÷निष्पादित करने और निभाने÷ का वचन देते हैं।

समारोह में पहुंचे किंग चार्ल्स

किंग चार्ल्स और उनकी पत्नी कैमिला वेस्टरमिंटर एबे में ऐतिहासिक राज्याभिषेक के लिए एक धार्मिक समारोह में पहुंचे जो लगभग एक हजार साल पुराना है। शाही जोड़े ने बकिंघम पैलेस से वेस्टमिंस्टर एबे तक की यात्रा 2.2 किलोमीटर की पूरी की है। जिसे 2012 में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के लिए कमीशन किया गया था।

बकिंघम पैलेस से निकले किंग चार्ल्स

किंग चार्ल्स ताजपोशी के लिए बकिंघम पैलेस से अपनी पत्नी कैमिला के साथ निकल चुके हैं। वेस्टमिंस्टर एबे में किंग चार्ल्स की ताजपोशी की जाएगी। ताजपोशी के इस कार्यक्रम का ब्रिटेन में विरोध भी हो रहा है। लोग इस पर इतना खर्च करने से नाराज हैं। लंदन पुलिस ने छह लोगों को शाही परिवार का विरोध करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

किंग चार्ल्स बनेंगे 15 देशों के सम्राट

बीते साल महारानी एलिजाबेथ के निधन के बाद ही किंग चार्ल्स को राजा घोषित कर दिया गया था। लेकिन आज औपचारिक रूप से उनकी ताजपोशी हो रही है। वहीं ताजपोशी के बाद किंग चार्ल्स ब्रिटेन, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा समेत 15 देशों के राजा बन जाएंगे।

सुनक बोले- असाधारण राष्ट्रीय गौरव का क्षण

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने राज्याभिषेक को इतिहास, संस्कृति और परंपराओं की एक गौरवपूर्ण अभिव्यक्ति के रूप में वर्णित किया। सुनक ने कहा कि ये असाधारण राष्ट्रीय गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के आधुनिक चरित्र का एक ज्वलंत प्रदर्शन और एक पोषित अनुष्ठान जिसके माध्यम से एक नए युग का जन्म हुआ है। लेकिन हर कोई समारोह के समर्थन में नहीं है। मतदान राजशाही के लिए समर्थन को कम करने का संकेत देता है, विशेष रूप से युवा लोगों के बीच, इसके आधुनिकीकरण या यहां तक कि पूरी तरह से खत्म करने की मांग के साथ। रिपब्लिक 'मेरे राजा नहीं' लिखी हुई तख्तियां पकड़े हुए नजर आए।

पीएम मोदी 14 जुलाई को पेरिस में बेस्टाइल डे परेड के होंगे विशिष्ट अतिथि

पेरिस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 जुलाई को पेरिस में होने वाली बेस्टाइल डे परेड में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों की एक टुकड़ी भी अपने फ्रांसीसी समकक्षों के साथ परेड में भाग लेगी। इसमें कहा गया है कि भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने इस साल बेस्टाइल डे परेड में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होने के फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। मैक्रों ने एक ट्वीट में कहा कि प्रिय नरेंद्र, 14 जुलाई की परेड के सम्मानित अतिथि के रूप में आपका पेरिस में स्वागत करके मुझे बहुत खुशी होगी। मैक्रों के ट्वीट पर जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अंग्रेजी और फ्रेंच में ट्वीट किया है कि धन्यवाद मित्र इमैनुएल मैक्रों। मैं आपके और फ्रांस के लोगों के साथ बेस्टाइल डे और हमारी रणनीतिक साझेदारी का उत्सव मनाने को लेकर उत्साहित हूं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से रणनीतिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक, अकादमिक और आर्थिक सहयोग सहित उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए नए और महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को निर्धारित करके भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के अगले स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है।

पाक सेना प्रमुख के परिवार से जुड़ी निजी जानकारी हासिल करने के मामले में आपराधिक कार्रवाई

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तानी प्राधिकारियों ने सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के परिवार की निजी जानकारी हासिल करने के आरोप में छह अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। शनिवार को प्रकाशित एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, नागरिकों के डेटा को संग्रहित करके राष्ट्रीय पहचान पत्र और पासपोर्ट जारी करने का काम करने वाली शीर्ष राष्ट्रीय संस्था राष्ट्रीय डेटाबेल एवं पंजीकरण प्राधिकरण (नाडारा) ने जांच के बाद अपने कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की।

एक आधिकारिक सूत्र ने 'द डॉन' अखबार को बताया कि सेना प्रमुख के परिवार के सदस्यों की निजी जानकारी अवैध रूप से हासिल करने के मामले की चार अलग-अलग टीमों द्वारा जांच की गई, जिसके आधार पर नाडरा के छह कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया। सूत्र के अनुसार, जिन लोगों के इशारे पर सेना प्रमुख के परिवार के सदस्यों के निजी डेटा में सेंध लगाई गई, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि नाडरा के अध्यक्ष तारिक मलिक ने आरोपी कर्मचारियों के खिलाफ 23 दिसंबर 2022 और दो मार्च 2023 को जांच के आदेश दिए थे। पिछले साल दिसंबर में नाडरा और एक सुरक्षा एजेंसी द्वारा की गई संयुक्त जांच से पता चला कि बेनजीर आय सहायता कार्यक्रम से जुड़ी एक परियोजना पर काम करने वाला कनिष्ठ कार्यकारी फारूक अहमद पहला व्यक्ति था, जिसने अवैध रूप से संबंधित डेटा तक पहुंच हासिल की थी।

रूस के अंदर से किया गया क्रेमलिन पर ड्रोन अटैक

– अमेरिकी ड्रोन विशेषज्ञों का बड़ा दावा

बीजिंग (एजेंसी)। वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका स्थित ड्रोन विशेषज्ञों ने क्रेमलिन के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हुए ड्रोन को लेकर बड़ा दावा किया है। उनका मानना है कि उन्हें रूस के अंदर से लॉन्च किया गया हो सकता है। रूस ने बुधवार को दावा किया कि यूक्रेन ने मास्को में क्रेमलिन पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हत्या के लिए ड्रोन से हमला किया था। हालांकि क्रेमलिन पर हमले में किसी भी भूमिका से इनकार करते हुए यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की के प्रेस सचिव ने कहा कि उन्हें क्रेमलिन पर तथाकथित रात के हमलों के बारे में कोई

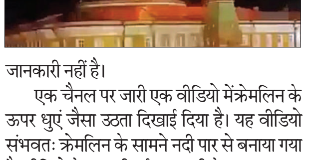

जानकारी नहीं है।

एक चैनल पर जारी एक वीडियो मेंक्रेमलिन के ऊपर धुएं जैसा उठता दिखाई दिया है। यह वीडियो संभवतः क्रेमलिन के सामने नदी पार से बनाया गया है। वीडियो के साथ दी गई जानकारी के अनुसार पास के एक अपार्टमेंट बिल्डिंग के निवासियों ने स्थानीय समयानुसार देर रात लगभग ढाई बजे धमाकों की आवाज सुनने और धुआं देखने की सूचना दी। गैर-लाभकारी रेजिलिएंट नेविगेशन एंड टाइमिंग फाउंडेशन के अध्यक्ष दाना गोवर्ड ने मीडिया को बताया कि मास्को कम से कम 2015 से क्रेमलिन को ड्रोन से बचाने के बारे में बहुत चिंतित है, जब उसने स्वचालित रूप से उन्हें दूर करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक प्रत्युपायों का उपयोग करना शुरू किया।

ड्रोन निर्माता ब्रिंक के संस्थापक और सीईओ व ड्रोन विशेषज्ञ ब्लेक रेसनिकने इसे आश्चर्यजनक बताया कि ड्रोन बिना पता लगाए मास्को के माध्यम से उड़ान भरने में सक्षम हुआ। रेसनिक ने कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि यह ड्रोन पूरे मास्को से क्रेमलिन तक पहुंचने में सक्षम हो गया।

तोशाखाना मामले में अदालत 10 मई को इमरान खान के खिलाफ आरोप तय करेगी

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद की एक अदालत ने कहा कि वह सरकारी तोहफों की बिक्री से मिली रकम को कथित तौर पर छिपाने के एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ 10 मई को आरोप तय करेगी। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने विदेशी गणमान्य लोगों से मिले तोहफों की बिक्री का विवरण साझा नहीं करने के कारण पिछले साल खान के खिलाफ तोशाखाना मामला दायर किया था। वर्ष 1974 में स्थापित तोशाखाना, कैबिनेट डिवीजन के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक विभाग है। तोशाखाना में पाकिस्तानी शासकों, सांसदों, नौकरशाहों और अधिकारियों को अन्य देशों की सरकारों, राज्यों के प्रमुखों और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों से मिले कीमती उपहारों को संग्रहीत किया जाता है। खान (70) ने मामले की विचारणीयता को चुनौती दी थी, लेकिन सत्र अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हुमायूं दिलावर ने वकीलों की दलीलें सुनने के बाद इन याचिकाओं को खारिज कर दिया।

हम ले आए सूडान से नागरिक निकाल के, 17 उड़ानें, नौसेना के 5 जहाज और वापस लाए गए 3862 भारतीय, खत्म हुआ 'ऑपरेशन कावेरी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने संकटग्रस्त सूडान में फंसे अपने नागरिकों को बचाने के लिए शुरू किए गए 'ऑपरेशन कावेरी' को समाप्त कर दिया और भारतीय वायु सेना के परिवहन विमान ने 47 यात्रियों को घर लाने के लिए अपनी अंतिम उड़ान भरी। भारत ने हिंसा से प्रभावित सूडान से अपने नागरिकों को निकालने के लिए 24 अप्रैल को ऑपरेशन कावेरी शुरू किया गया था। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि 5 मई को भारतीय वायुसेना के सी130 विमान के पहुंचने के साथ ऑपरेशन कावेरी के जरिए 3,862 लोगों को सूडान से बाहर निकाला गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना ने 17 उड़ानें संचालित कीं और भारतीय नौसेना के जहाजों ने पोर्ट सूडान से सऊदी अरब में जेद्दा तक भारतीयों को स्थानांतरित करने के लिए पांच उड़ानें भरीं।

जयशंकर ने कहा कि सूडान की सीमा से लगे देशों के जरिए 86 भारतीयों को निकाला गया। उन्होंने कहा कि वाडी सैय्यदना से उड़ान जिसे बड़े जोखिम में अंजाम दिया गया था, वह भी मान्यता का पात्र है। उन्होंने सूडान से लाए गए भारतीयों की मेजबानी तथा निकासी प्रक्रिया में मदद के लिए सऊदी अरब का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने चाड, मिस्त्र, फ्रांस, दक्षिण सूडान, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र का भी आभार व्यक्त किया। विदेश मंत्री ने कहा कि विदेश में सभी भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता हमारी प्रेरणा है।

बता दें कि सूडान में सेना और एक अर्द्धसैनिक समूह के बीच सत्ता हासिल करने के लिए भीषण संघर्ष जारी है। वहीं, विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बताया था कि सूडान में सुरक्षा की वर्तमान स्थिति को देखते हुए भारत ने अपने दूतावास को खार्तूम से पोर्ट सूडान स्थानांतरित करने का फैसला किया है। ज्ञात हो कि पोर्ट सूडान पूर्वी सूडान में लाल सागर के पास स्थित शहर है। खार्तूम से पोर्ट सूडान की दूरी 850 किलोमीटर है।

संपादकीय

अहं किस बात का

कुँए का मेंढक यही सोचता हैं की दुनिया उतनी ही बड़ी हैं और वह दुनिया के चक्कर लगा आया। यह उसके ज्ञान का अभाव हैं दुनिया तो बहुत बड़ी हैं एक से एक ज्ञानी, योग्य, धानाड्य यह पर हैं फिर में ही क्यों किस बात का मेरा किस बात का ??

अहंकार की टंकार से विनय विवेक नम्रता की विदाई हो जाती हैं और क्रोध की परिणिति होती हैं। अहंकार मनुष्य का शत्रु है। आचार्य हरीभद्र अनेक विशेषताओं के धनी थे उन्हें अपने बुद्धि पर भारी गर्व था किसी के द्वारा उच्चारित वाक्य या पद्य का अर्थ समझ में ना आने पर उनका अस्तित्व स्वीकार करने के लिए प्रतिज्ञा- बद्ध थे। साध्वी संघ की प्रवर्तिनी महत्तरा याकिनी संग्रहिणी गाथा का स्वाध्याय कर रही थी। उस गाथा का अर्थ न समझ आने के कारण उनका अहंकार टूट गया और उन्होंने

महत्तरा याकिनी को गुरु मानकर झुककर,विनम्र होकर ज्ञान प्राप्त किया। अहं जाति,कुल,बल,रूप और तप का भी हो सकता है। ज्ञान, लाभ, ऐश्वर्य का अहं भी आदमी को डूबो सकता है।

पर जागृत कर विवेक को,जो बच जाता है इस मोहपाश से वही व्यक्ति सबके लिए श्रद्धेय, पूजनीय,वन्दनीय हो सकता है।

विनम्रता तो मोहिनी- मंत्र है, व्यक्ति उसके द्वारा सब को अपनी वश में कर लेता है, हर स्थान पर मान सम्मान एवं प्रेम पाता है किंतु अहंकारी व्यक्ति को कोई नहीं चाहता है। हमें कभी अपने पद, प्रतिष्ठा एवं धन पर अभिमान नहीं करना चाहिए क्योंकि जब संसार को छोड़कर जाते हैं तो अपने साथ कुछ भी नहीं ले जा सकते हैं केवल अच्छे कर्म ही साथ जाते हैं,इसलिए इन सभी सांसारिक विषयों पर घमंड करना नहीं करना चाहिए।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।
वृषभ	आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
मिथुन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।
कर्क	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।
सिंह	पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
तुला	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।
वृश्चिक	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
धनु	संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।
मकर	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।
कुम्भ	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

हिमाचल से सौहार्द के रिश्ते सींचते रहे बादल

प्रेम कुमार धूमल

सरदार प्रकाश सिंह बादल... ये सिर्फ़ एक नाम नहीं, बल्कि पंजाब, पंजाबियत, अपनेपन, भरोसे की वो पहचान रहा, जो सालों-साल से देश के ललाट पर चमकदार पंजाबी साफ़े की तरह बंधा रहा। बादल साहब का अनूठा व्यक्तित्व था, उनसे हर मुलाकात स्मरणीय होती थी, प्रेरणा देती थी। जीवन में व्यक्ति को कैसा व्यवहार रखना चाहिए, इसका सबक सिखाती थी। मेरी उनसे मुलाकात 1970 के दशक में जनता पार्टी और अकाली दल की गठबंधन सरकार के दौरान हुई जब वे पंजाब के मुख्यमंत्री थे। पंजाब चंडीगढ़ कॉलेज टीचर यूनियन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के ग्रेड के लिए आंदोलन कर रहे थे। काफी संघर्ष के बाद बादल साहब ने हमारी मांगें मान ली। इसके बाद जालंधर के दोआबा कॉलेज में यूनियन की ओर से मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल जी का धन्यवाद करने के लिए आयोजन किया गया। हमारे प्रिंसिपल ओपी मोहन ने कहा, 'बादल साहब आप भलेमानस राजनीतिज्ञ हो, ऐसा बेहद कम होता है। हमारी प्रार्थना है कि आप यह भलमनसाहत कभी मत छोड़िएगा।' समूचे पंजाब में प्रकाश सिंह बादल जी की भलेमानस की छवि सदैव बनी रहेगी। 1998 में जब हिमाचल प्रदेश में हमने हिमाचल विकास कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाई तो मैं बादल साहब से उनके घर पर जाकर मिला। वे बेहद प्रसन्न थे। केंद्र में स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार थी। जम्मू-कश्मीर, पंजाब और हरियाणा में भी एनडीए गठबंधन की सरकारें थीं। उन्होंने कहा, 'बहुत अच्छा हुआ कि एक छोटा-सा राज्य जो हमारे अधीन नहीं था वहां भी आपने एनडीए की सरकार बना दी।' वे मुझे छोड़ने बाहर निकले। उन्होंने देखा कि मैं एंबेसडर कार में था। कहने लगे, 'कोई अच्छी-सी कार, हमारी कारों में जो खड़ी है ले जाओ। एंबेसडर कार में कहां इतना लंबा सफर करोगे।' नैना देवी का क्षेत्र जिसे चंगर कहा जाता है, वहां पानी की बड़ी किल्लत होती थी। गर्मियों में वहां के लोग अपने मवेशियों के साथ पंजाब में अपने रिश्तेदारों के पास चले जाते थे। 1983 में जब पंजाब में सरदार दरबारा सिंह मुख्यमंत्री थे और हिमाचल में वीरभद्र सिंह जी थे तब पानी के लिए एक समझौता हुआ था लेकिन वह कागजों तक ही सीमित रह गया। वर्ष 1998 में मेरे ध्यान में यह बात लाई गई। मैंने मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल जी को इस समस्या से अवगत कराया। हमने मुख्य सचिवों की एक बैठक तय की। बादल साहब ने अपने मुख्य सचिव आरएस मान को यह निर्देश देकर भेजा कि जाओ जैसे धूमल साहब कहें वैसे समझौता कर लेना। दोनों राज्यों में सहमति बनी और आनन्दपुर हाइड्रो चैनल से 25 क्यूसेक पानी श्रीनैना देवी क्षेत्र के लिए देने का फैसला हुआ। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि वह योजना सफल हुई। बादल साहब के कारण चंगर क्षेत्र के लोगों के लिए पीने के पानी की समस्या का निदान हुआ और उस क्षेत्र में सिंचाई भी की जा रही है। आज गर्मियों में किसी को घर नहीं छोड़ना पड़ता। चंबा जिले के साथ पंजाब का गुरदासपुर जिला लगता है। वहां डैम बनने से हिमाचल के कई गांव विस्थापित हुए। उनसे कहा गया था कि प्रत्येक विस्थापित परिवार के एक सदस्य को रोजगार दिया जाएगा। कई वर्ष बीतने के बाद भी किसी को रोजगार नहीं मिला। मैं चंबा में मिंजर के मेले में गया हुआ था तब वहां लोगों ने मांग उठाई। मैंने वहीं से बादल जी को फोन मिलाया और इस समस्या को उनके ध्यान में लाया। बादल साहब की यह महानता है कि उन्होंने फोन पर ही मेरी बात मान ली और कहा कि आप घोषणा कर दो कि डेढ़ सौ से ज्यादा जो विस्थापित परिवार हैं उनमें प्रत्येक परिवार के एक व्यक्ति को रोजगार दे दिया जाएगा। उन्होंने वादा पूरा भी कर दिया। लोगों को रोजगार मिल गया। प्रधानमंत्री वाजपेयी जी के प्रयासों से हमें औद्योगिक पैकेज मिला था। इससे बहुत से उद्योग भी आए। परंतु अधिकतर उद्योगपति चंडीगढ़ और पंचकूला में रहते थे। उन्हें पिंजोर घूमकर 'बद्दी, बरोटीवाला और नालागढ़' आना पड़ता था। एक दिन प्रातःकाल बादल साहब से मिलने गया था। नाश्ते पर बातचीत हुई और चंडीगढ़-बद्दी के बीच सड़क बनाने हेतु उनकी सहमति मिल गई। इसके परिणामस्वरूप बनने वाली सड़क से चंडीगढ़ और बद्दी के बीच की दूरी मात्र 22 किलोमीटर रह गई। जब भी चुनाव होते, 'मुक्तसर में माघी' का मेला लगता या कोई और कार्यक्रम होता, बादल साहब हमेशा बुलाते थे। एक बार चुनाव में गुरदासपुर व अमृतसर जिलों में चुनाव प्रचार करने के बाद हम जालंधर पहुंचे। हम अलग-अलग जगहों पर ठहरे थे। अगले दिन सुबह लुधियाना में जनसभा थी। सवेरे बारिश शुरू हो गई। समय पर पहुंचने के लिए हम सभी दौड़े पर बादल साहब समय के हम से भी पक्के पाबंद थे। वे हमसे भी पहले पहुंच गए। मंच पर लगाए गए सोफे भीग गए थे। सुरक्षा वालों ने बादल साहब के लिए सोफे की एक सिंगल सीट जो सूखी थी उसका प्रबंध कर दिया था। जब वहां हम पहुंचे तो बादल साहब खड़े हो गए। हमारे लाख कहने पर भी बादल साहब बैठे नहीं जब तक मेरे लिए भी वैसी ही सीट नहीं लगा दी गई। ऐसे सहज व्यक्तित्व के धनी थे बादल साहब। पंजाब और हिमाचल के बीच किसी भी मुद्दे पर हमारी प्रार्थना-सुझाव बादल साहब बड़े भाई के तौर पर स्वीकार कर लेते थे। जब यूपीए सरकार के समय न्यूक्लियर डील का मामला आया, तब आडवाणी जी के आवास पर एनडीए के मुख्यमंत्रियों की बैठक आयोजित हुई। आडवाणी जी की उपस्थिति में जॉर्ज फर्नांडिस की अध्यक्षता के बीच में बैठक हुई। सभी से इस बारे में राय लेनी थी कि अगर इस पर वोटिंग होगी तो उनके सांसदों का इस पर क्या रुख होगा। सबसे पहले बादल साहब से पूछा गया। बादल साहब ने स्पष्ट कहा कि जब तक मैं हूं, वाजपेयी जी और आडवाणी जी जो निर्णय लेंगे, हमारी पार्टी उनका साथ देगी। जहां वह कहेंगे हम वहीं वोट देंगे। इस मुद्दे पर संसद में मतदान हुआ तो अकाली दल के 2 सांसदों ने पार्टी व्हिप का उल्लंघन कर दिया। बादल साहब ने अपना वादा निभाया और दोनों सांसदों को पार्टी से निष्कासित कर दिया। विनम्रता, सादगी, सज्जनता, सहनशीलता जैसे गुणों के धनी, मानव मूल्यों की प्रतिमूर्ति सरदार प्रकाश सिंह बादल जहां गए वहां एक संवेदनशील इंसान, सफल नेता, हिंदू सिख एकता के सबसे बड़े पैरोकार के तौर पर कार्य किया। उन्होंने केवल पंजाब में ही नहीं बल्कि पूरे देश और दुनिया में प्रकाश फैलाया। उन्हें हमेशा एक भलेमानुष राजनेता के तौर पर याद किया जाएगा।

लेखक हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हैं।

(8 मई) विश्व रेडक्रॉस दिवस

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

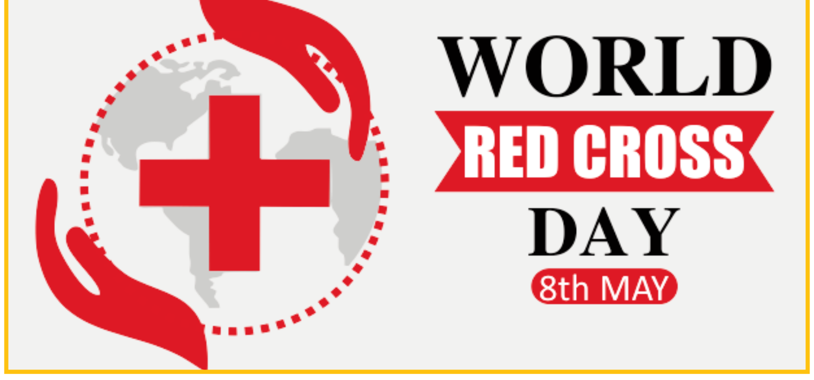

उद्देश्य रेडक्रॉस एक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेन्सी है जिसका प्रमुख उद्देश्य रोगियों, घायलों तथा युद्धकालीन बंदियों की देखरेख करना है।रेडक्रॉस अभियान को जन्म देने वाले महान् मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेन्ट का जन्म 8 मई 1828 में हुआ था। उनके जन्म दिवस 8 मई को विश्व रेडक्रॉस दिवस के रूप में पूरे विश्व में मनाया जाता है।

विश्व रेडक्रॉस दिवस अन्तर्राष्ट्रीय स्वंयसेवक दिवस के रूप में मनाया जाता है। लगभग 150 वर्षों से पूरे विश्व में रेडक्रॉस के स्वंय सेवक असहाय एवं पीड़ित मानवता की सहायता के लिए काम करते आ रहे हैं। भारत में वर्ष 1920 में पार्लियामेंट्री एक्ट के तहत भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ, तब से रेडक्रॉस के स्वंय सेवक विभिन्न प्रकार के आपदाओं में निरंतर निस्वार्थ भावना से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। विश्व के लगभग दो सौ देश किसी एक विचार पर सहमत हैं तो वह है रेडक्रॉस के विचार। युद्ध के मैदान में घायल सैनिकों की चिकित्सा के साथ प्रकृति के महाविनाश के बीच फंसे लोगों की मदद के लिए हमेशा डटा रहता है रेडक्रॉस।

पीड़ित मानवता की सेवा बिना भेदभाव के करते रहने का विचार देने वाले तथा रेडक्रॉस अभियान को जन्म देने वाले महान् मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेन्ट का जन्म 8 मई 1828 में हुआ था। उनके जन्म दिवस 8 मई को विश्व रेडक्रॉस दिवस के रूप में पूरे विश्व में मनाया जाता है। उन्होंने समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया और पूरे विश्व के लोगों को मानवतावादी सेवक के रूप में स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। सेवा कार्य के लिए उनके द्वारा गठित सोसायटी को रेडक्रॉस का नाम दिया गया। वर्तमान में विश्व के 186 देशों में रेडक्रॉस सोसायटी कार्य कर रही है। वर्ष 1901 में हेनरी डयूनेंट को उनके मानव सेवा के कार्यों के लिए पहला नोबेल शांति पुरस्कार मिला। युद्ध में घायल सैनिकों की स्थिति से विचलित हेनरी डयूनेन्ट ने 9 फरवरी 1863 को जेनेवा में पांच लोगों की एक कमेटी बनाई। हेनरी की इस परिकल्पना का नाम था इंटरनेशनल कमेटी फॉर रिलीफ टू द उन्डेड। उसी वर्ष अक्टूबर में जेनेवा में ही एक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन हुआ। इसमें 18 विभिन्न देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसी में रेडक्रॉस को अमली जामा पहनाने का मसौदा तैयार किया गया।

इस संस्था की पहचान के लिए सफ़ेद पट्टी पर लाल रंग के क्रास चिह्न को मान्यता दी गई। आज यह चिह्न पूरे विश्व में पीड़ित मानवता की सेवा का प्रतीक बन गया है। इसके साथ यह भी अतिमहत्त्वपूर्ण है कि विश्व का पहला ब्लड बैंक रेडक्रॉस की पहल पर अमेरिका में 1937 में खुला। आज विश्व के अधिकांश ब्लड बैंकों का संचालन रेडक्रॉस एवं उसकी सहयोगी संस्थाओं के द्वारा किया जाता है। रेडक्रॉस द्वारा चलाए गए रक्तदान जागरूकता अभियान के कारण ही आज थैलेसिमिया, कैंसर, एनीमिया जैसी अनेक जानलेवा बीमारियों से हजारों लोगों की जान बच रही है।

रेड क्रॉस की स्थापना के लगभग दो शताब्दियां पहले हो चुकी हैं लोकिन तीव्र और निष्पक्ष मानवीय सहायता की आवश्यकता अभी भी जारी है। अवलोकन के साथ संघर्ष समाधान के सभी संभावित मार्गों पर प्रकाश डालते हैं और जरूरतमंद लोगों को राहत सहायता प्रदान करने के अपने संकल्प को मजबूत करते हैं।विश्व रेड क्रॉस दिवस और रेड क्रीसेंट दिवस अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस और रेड क्रीसेंट आंदोलन के संस्थापक सिद्धांतों को याद करता है। दुनिया भर के लोग मानवतावादी एजेंसी को दुनिया भर के कमजोर लोगों के लिए ऐतिहासिक योगदान के लिए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।रेड क्रॉस और रेड क्रीसेंट मूवमेंट लोगों के सबसे बड़े विश्वव्यापी नेटवर्क में से एक है, जिसमें लाखों सदस्य और सक्रिय स्वयंसेवक हैं। विश्व रेड क्रॉस और रेड क्रीसेंट दिवस आंदोलन का सम्मान करता है और दुनिया भर से लोगों को एक साथ लाता है, जैसा कि हम अभूतपूर्व समय के माध्यम से चार्ट करते हैं।

प्रत्येक सहायता के साथ, हम अपने आस-पास के लोगों के जीवन में एक बड़ा बदलाव ला सकते हैं। हैप्पी वर्ल्ड रेड क्रॉस डे। केवल एक दिन नहीं है जब हमें अपने आसपास के लोगों को अपनी चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने की आवश्यकता होती है, लेकिन हमारा यह कर्तव्य है कि हम इसे हर दिन करेंज .. विशिंग यू हैप्पी वर्ल्ड रेड क्रॉस डे।

सुलग रहा है मणिपुर, 54 से अधिक मौतें

(लेखक - सनत जैन)

पिछले 5 दिनों से मणिपुर हिंसा की आग में सुलग रहा है। मणिपुर में सेना और असम राइफल्स के 10,000 से ज्यादातर जवान तैनात किए गए हैं। मणिपुर की इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया गया है। मणिपुर में कर्फ्यू लगा दिया गया है। 3 दिन तक आग की लपटों में पूरा मणिपुर सुलगता रहा। कर्फ्यू लगाने के बाद किसी तरह से हालत काबू में आए। 13000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर सेना ने पहुंचाया। मणिपुर के चुराचंदपुर जिले के एक गांव में सीआरपीएफ के कोबरा कमांडो की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह कमांडो छुट्टियों में अपने घर आया हुआ था। इसी तरह सरकारी आवास से निकालकर आयकर विभाग के अधिकारी को पीट-पीटकर क्रूद्ध भीड़ ने मार दिया। भीड़ ने एक थाने से हथियार लूट लिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री इन दिनों कर्नाटक के चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। मणिपुर की हालत को देखते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मणिपुर के मुख्यमंत्री वीरेन सिंह से बात की। केंद्रीय गृह मंत्री ने बड़े पैमाने पर वहां सुरक्षा बलों और सेना को तैनात किया है। आरक्षण के विरोध में यह बवाल मणिपुर में उत्पन्न हुआ। पूर्वोत्तर राज्यों में सीमा विवाद एवं सत्ता की लड़ाई को लेकर, पूर्वोत्तर राज्यों में समय-समय पर हिंसक घटनाएं बढ़ रही हैं। पूर्वोत्तर राज्यों में उग्रवादी संगठन पिछले वर्षों में तेजी के साथ सक्रिय हुए हैं। पूर्वोत्तर राज्यों में जिस तरह का सामाजिक वैमनस्य फैलाया जा रहा है। उसके बाद पूर्वोत्तर राज्यों की हालत और कानून व्यवस्था दिनों दिन खराब होती जा रही है। सरकार समय-समय पर दावा जरूर करती है, कि पूर्वोत्तर राज्यों के सारे विवाद निपट गए हैं। पूर्वोत्तर राज्य में पहली बार शांति है। पूर्वोत्तर राज्यों में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी सरकार बनाने के लिए पिछले वर्षों में जमकर तोड़फोड़ की है। जिसके कारण राजनीतिक अस्थिरता बढी है। राज्यों मे भाजपा और भाजपा समर्थित सरकारें बनाने के लिये भारी दल-बदल कराया। इसकी राजनीतिक एवं सामाजिक स्तर पर बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। पूर्वोत्तर राज्यों की समस्याओं का वास्तविक समाधान नहीं हुआ। उल्टे सत्ता की इस लड़ाई में चीन ने अरुणाचल और अन्य प्रदेशों में अपनी गतिविधियां बढ़ाकर भारतीय सीमा के एक बड़े हिस्से में कब्जा भी कर लिया है। पूर्वोत्तर राज्यों के पहाड़ी इलाकों में उग्रवादी संगठनों और सुरक्षा बलों के बीच में लगातार मुठभेड़ हो रही है। आतंकवादी किस संगठन के हैं। इसका खुलासा भी नहीं हुआ है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण चीन और अन्य देशों से इन्हें आर्थिक एवं सैन्य सहायता मिलती रहती है। जिसके कारण पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा व्यवस्था भारत के लिए चुनौतीपूर्ण बन गई है। केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर, असम, मणिपुर और अरुणाचल राज्य अशांत हैं। मेघालय भी अशांति से अछूता नहीं है। मेघालय पुलिस ने कुकी और मेतई समुदाय के लोगों को बड़ी संख्या में गिरफ्तार किया है। जिसके कारण यहां के निवासियों में भारी गुस्सा है। यहां पर भी बड़े पैमाने में हिंसा हुई है। 12 लोगों की मौत का समाचार भी है, शासकीय स्तर पर अभी इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। पिछले कुछ वर्षों में सीमावर्ती राज्यों जिसमें जम्मू-कश्मीर भी शामिल है। बड़े पैमाने पर भारतीय जवानों की आतंकी हमलों में मौत हुई है। यह भी कहा जाने लगा है, कि आजादी के 50 वर्ष में पाकिस्तान के साथ दो बड़े युद्ध हुए। चीन के साथ एक बड़ा युद्ध हुआ। लेकिन जितने सैनिक पिछले 9 वर्षों में सीमावर्ती राज्यों में शहीद हुए हैं। 50 वर्षों में लड़ाई और आतंकी हमलों में उतने सुरक्षाबलों के जवान शहीद नहीं हुए। केंद्र ने धारा 370 जम्मू कश्मीर से हटाने, नोटबंदी करने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कहा था, कि इससे सरकार ने आतंकवाद की कमर तोड़ दी है। भारतीय सेना ने आतंकवादी गतिविधियों को समाप्त कर दिया है। जम्मू कश्मीर, लद्दाख, मेघालय, असम, मणिपुर इत्यादि राज्यों में पूर्णता शांति हो गई है। लेकिन सरकार के इन दावों पर भी अब कोई भी विश्वास नहीं कर रहा है। यह धारणा बन गई है, कि सरकार घटनाओं को छुपाती है। घटनाओं की सही जानकारी जनता तक नहीं पहुंचने देती है। जब घटनाएं सामने आती हैं, तब उनका विकराल स्वरूप भी सामने आता है। मणिपुर और मेघालय में जिस तरह से केंद्र सरकार और राज्य सरकार के अधिकारियों पर हमले शुरू हो गए हैं। सेना और पुलिस के खिलाफ, आतंकवादी संगठनों द्वारा चुनौती दी जा रही है। यह चिंता का सबसे बड़ा कारण है। वर्तमान केंद्र सरकार सभी समूहों को आपस में बांटने और राज करने की जो नीति चला रही है। उसके कारण एक बार फिर सीमावर्ती राज्यों में अशांति, तेजी के साथ फैल रही है।

जन्म कुंडली से पता चलते हैं दाम्पत्य जीवन में कलह और मधुरता के योग

दाम्पत्य में जीवन साथी अनुकूल हो तो हर तरह की परिस्थितियों का सामना किया जा सकता है लेकिन यदि दाम्पत्य जीवन में दोनों में से किसी भी एक व्यक्ति का व्यवहार यदि अनुकूल नहीं रहता है तो रिश्ते में कलह और परेशानियों का दौर लगा रहता है। ज्योतिषशास्त्र में जातक की जन्म कुंडली को देखकर, यह अनुमान लगाया जा सकता है कि आपके दाम्पत्य जीवन में कलह के योग कब उत्पन्न हो सकते हैं।

जीवन में कलह के योग बनते हैं-

- कुंडली में सप्तम या सातवाँ घर विवाह और दाम्पत्य जीवन से सम्बन्ध रखता है। यदि इस घर पर पाप ग्रह या नीच ग्रह की दृष्टि रहती है तो वैवाहिक जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ता है।
- यदि जातक की जन्मकुंडली के सप्तम भाव में सूर्य हो तो उसकी पत्नी शिक्षित, सुशील, सुंदर एवं कार्यो में दक्ष होती है, किंतु ऐसी स्थिति में सप्तम भाव पर यदि किसी शुभ ग्रह की दृष्टि न हो तो दाम्पत्य जीवन में कलह और सुखों का अभाव बन जाता है।
- यदि जन्म कुण्डली में प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, द्वादश स्थान स्थित मंगल होने से जातक को मंगली योग होता है इस योग के होने से जातक के विवाह में विलम्ब, विवाहोपरान्त पति-पत्नी में कलह, पति या पत्नी के स्वास्थ्य में क्षीणता, तलाक एवं क्रूर मंगली होने पर जीवन साथी की मृत्यु तक हो सकती है।
- जन्म-कुंडली के सातवें या सप्तम भाव में अगर अशुभ ग्रह या क्रूर ग्रह (शनि, राहू, केतु या मंगल) ग्रहों की दृष्टी हो तो दाम्पत्य जीवन में कलह के योग उत्पन्न हो जाते हैं। शनि और राहु का सप्तम भाव होना भी वैवाहिक जीवन के लिए शुभ नहीं माना जाता है।
- राहु, सूर्य और शनि पृथकतावादी ग्रह हैं, जो सप्तम (दाम्पत्य)और द्वितीय (कुटुंब) भावों पर विपरीत प्रभाव डालकर वैवाहिक जीवन को नारकीय बना देते हैं।
- यदि अकेला राहू सातवें भाव में तथा अकेला शनि पांचवें भाव में बैठा हो तो तलाक हो जाता है। किन्तु ऐसी अवस्था में शनि को लग्नेश नहीं होना चाहिए। या लग्न में उच्च का गुरु नहीं होना चाहिए।
- अब इसी प्रकार एक सुखमय और मधुर वैवाहिक जीवन की बात करें तो जातक की जन्म-कुंडली में ग्रहों की स्थिति कुछ इस प्रकार से होनी चाहिए-
- सप्तमेश का नवमेश से योग किसी भी केंद्र में हो तथा बुध, गुरु अथवा शुक्र में से कोई भी या सभी उच्च राशि गत हो तो दाम्पत्य जीवन सुखमय पूर्ण रहता है।
- यदि दोनों में से किसी की भी कुंडली में पंच महापुरुष योग बनाते हुए शुक्र अथवा गुरु से किसी कोण में सूर्य हो तो दाम्पत्य जीवन अच्छा होता है।
- यदि सप्तमेश उच्चस्थ होकर लग्नेश के साथ किसी केंद्र अथवा कोण में युति करे तो दाम्पत्य जीवन सुखी होता है।
- यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में वैवाहिक जीवन को लेकर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तो उपाय के लिए सबसे पहले पति-पत्नी की कुंडली का मिलान बेहद जरूरी हो जाता है। दोनों जातकों की कुंडली का एक मिलान करके ही ज्योतिषाचार्य उपाय को बता सकते हैं।

- कई बार देखा गया है कि यदि पत्नी की कुंडली में यह दोष मौजूद है और पति की कुंडली अनुकूल है तो समस्या थोड़ी कम हो जाती है और इसी के उल्ट भी कई बार हो जाता है। लेकिन यदि दोनों व्यक्तियों की कुंडली में सप्तम भाव सही नहीं रहता है तो उस स्थिति में जीवन नरकीय बन जाता है। किसी भी परिस्थिति में कुंडली का मिलन समय से कराकर, उपायों को अगर अपनाया जाए तो पीड़ा कम हो जाती है।

सभी प्रकार के रोगों और पीड़ाओं से मुक्ति दिलाता है

हनुमान यज्ञ

'नासे रोग हरे सब पीरा। जो सुमिरे हनुमंत बलबीरा।।'

हनुमान चालीसा की यह चौपाई बताती है कि बजरंग बली सभी प्रकार रोगों और पीड़ाओं से मुक्ति दिला सकते हैं। इसी प्रकार कलयुग में हनुमान यज्ञ सभी प्रकार की पीड़ा से मुक्ति दिलाने वाला और धन और यश की प्राप्ति के लिए एक उत्तम और चमत्कारिक उपाय के रूप में बताया जाता है। संतों के अनुसार हनुमान यज्ञ में इतनी शक्ति है कि अगर विधिवत रूप से यज्ञ को कर लिया जाए तो यह व्यक्ति की हर मनोकामना को पूरा कर सकता है। इसलिए शायद कई हिन्दू राजा युद्ध में जाने से पहले हनुमान यज्ञ का आयोजन जरूर करते थे।

आइये जानते हैं कैसे होता है हनुमान यज्ञ और यदि कोई हनुमान यज्ञ नहीं करवा सकता है तो हनुमान जी की कृपा प्राप्ति का अन्य उपाय-

हनुमान यज्ञ को एक सिद्ध ब्राह्मण की आवश्यकता से ही विधिवत पूर्ण किया जा सकता है। यह यज्ञ इंसान को धन और यश की प्राप्ति करवाता है। जो भी व्यक्ति हनुमान यज्ञ से हनुमान जी की पूजा करता है और ध्यान करता है उसके जीवन में सभी समस्याएं निश्चित रूप से समाप्त हो जाती हैं। हनुमानजी को प्रसन्न करने का यह सर्वाधिक लोकप्रिय उपाय है। इस यज्ञ में हनुमान जी के मन्त्रों द्वारा, इनको बुलाया जाता है और साथ ही साथ अन्य देवों की भी आराधना इस यज्ञ में की जाती है। कहा जाता है कि इस यज्ञ में जैसे ही भगवान श्रीराम का स्मरण किया जाता है तो इस बात से प्रसन्न होकर, हनुमान जी यज्ञ स्थल पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में विराजमान हो जाते हैं।

हनुमान यज्ञ के लिए कुछ आवश्यक वस्तुयें-

लाल फूल, रोली, कलावा, हवन कुंड, हवन की लकडियाँ, गंगाजल, एक जल का लोटा, पंचामृत, लाल लंगोट, पांच प्रकार के फल। पूजा सामग्री की पूरी सूची, यज्ञ से पहले ही ब्राह्मण द्वारा बनवा लेनी चाहिए।

हनुमान यज्ञ के लिए सबसे लिए मंगलवार का दिन बहुत शुभ माना जाता है। इस यज्ञ को विधिवत पूरा एक ब्राह्मण की सहायता से ही करवाया जा सकता है।

अगर कोई व्यक्ति किसी कारण, पंडित जी से यज्ञ या हवन नहीं करवा सकता है तो ऐसे वह स्वयं से भी एक अन्य पूजा विधान को घर में खुद से कर सकता है।

पूजन विधि

हनुमान जी की एक प्रतिमा को घर की साफ़ जगह या घर के मंदिर में स्थापित करें और पूजन करते समय आसन पर पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठ जाएं। इसके पश्चात हाथ में चावल व फूल लें व इस मंत्र (प्रार्थना) से हनुमानजी का स्मरण करें-

ध्यान करें-

अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहं
दनुजवनकृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यं।
सकलगुणनिधानं वानराणामधीशं
रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि।।
ॐ हनुमते नमः ध्यानार्थे पुष्पाणि सर्मपयामि।।

अब हाथ में लिया हुआ चावल व फूल हनुमानजी को अर्पित कर दें।

इसके बाद इन मंत्रों का उच्चारण करते हुए हनुमानजी के सामने किसी बर्तन अथवा भूमि पर तीन बार जल छोड़ें।

ॐ हनुमते नमः, पाद्यं समर्पयामि।।
अर्ध्यं समर्पयामि। आचमनीयं समर्पयामि।।

इसके बाद हनुमानजी को गंध, सिंदूर, कुंकुम, चावल, फूल व हार अर्पित करें। इसके पश्चात् हनुमान जी की उपयोगी और सरल 'हनुमान चालीसा' का कम से कम 5 बार जाप करें।

सबसे अंत में घी के दीये के साथ हनुमान जी की आरती करें। इस प्रकार यह यज्ञ और निरंतर घर में इस प्रकार किया गया पूजन, हनुमान जी को प्रसन्न करता है और व्यक्ति की सभी मनोकामनाओं को भी पूरा करता है।

ईश्वर अराधना की एक विधि है आरती

आरती देवी-देवता या अपने आराध्य, अपने ईष्ट देव की स्तुति की उपासना की एक विधि है। आरती के दौरान भक्तजन गाने के साथ साथ धूप दीप एवं अन्य सुगंधित पदार्थों से एक विशेष विधि से अपने आराध्य के सामने घुमाते हैं। मंदिरों में सुबह उठते ही सबसे पहले आराध्य देव के सामने नतमस्तक हो उनकी पूजा के बाद आरती की जाती है। इसी क्रम को सांय की पूजा के बाद भी दोहराया जाता है व मंदिर के कपाट रात्रि में सोने से पहले आरती के बाद ही बंद किये जाते हैं। मान्यता है कि आरती करने वाले ही नहीं बल्कि आरती में शामिल होने वाले पर भी प्रभु की कृपा होती है। भक्त को आरती का बहुत पुण्य मिलता है। आरती करते समय देवी-देवता को तीन बार पुष्प अर्पित किये जाते हैं। मंदिरों में तो पूरे साज-बाज के साथ आरती की जाती है। कई धार्मिक स्थलों पर तो आरती का नजारा देखने लायक होता है। बनारस के घाट हों या हरिद्वार, प्रयाग हो या फिर मां वैष्णों का दरबार यहां की आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। तमिल में आरती को ही दीप आराधनई कहा जाता है।

आरती करते समय भक्त का मन स्वच्छ होना चाहिये अर्थात उसे पूरे समर्पण के साथ आरती करनी चाहिये तभी उसे आरती का पुण्य प्राप्त होता है। माना जाता है कि भक्त इस समय अपने अंतर्मन से ईश्वर को पुकारते हैं इसलिये इसे पंचारती भी कहा जाता है। इसमें भक्त के शरीर के पांचों भाग मस्तिष्क, कंधे, हाथ व घुटने यानि साष्टांग होकर आरती करता है इस आरती को पंच-प्राणों की प्रतीक आरती माना जाता है।

सोने के पलंग के अंदर भूलकर भी न रखें ये 10 चीजें

आप जिस पर पलंग पर सोते हैं वह बहुत महत्वपूर्ण होता है क्योंकि आपको उस पर कम से कम 7-8 घंटे गुजारना होते हैं। वास्तु अनुसार पलंग का हमारी सेहत और मन पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। अतः आओ जानते हैं कि यदि आपके यहां ऐसा पलंग है जिसमें बिस्तर रखे जा सकते हैं तो भूलकर भी पलंग के भीतर, नीचे या आसपास न रखें ये 10 वस्तुएं।

- 1. **कपड़ों की पोटली :** अक्सर लोग पलंग के भीतर गंदे या फटे पुराने कपड़ों की पोटली रख देते हैं जो कि वास्तु अनुसार ठीक नहीं है।
- 2. **इलेक्ट्रॉनिक सामान :** घर के बंद या खराब पड़े इलेक्ट्रॉनिक सामान को पलंग के भीतर या नीचे नहीं रखें। इससे अनिद्रा रोग हो सकता है।
- 3. **डबल शीट :** पलंग के उपर कभी भी ऐसी शीट या गद्दा ना बिछाएं जो दो भागों में विभाजित हो। इससे पति पत्नी के बीच मनमुटाव बढ़ता है। पलंग पर दो अलग-अलग गद्दों की बजाय एक ही गद्दे का प्रयोग करें। इससे पति-पत्नी में एकता व सामंजस्य बना रहता है।
- 4. **लोहे की वस्तु :** पलंग के अंदर या नीचे लोहे की कोई वस्तु न रखें। कई लोग अटाला रख देते हैं।
- 5. **प्लास्टिक की वस्तु :** पलंग के अंदर या नीचे प्लास्टिक से बनी कोई भी वस्तु न रखें।
- 6. **झाड़ू :** पलंग के नीचे झाड़ू रखते हैं तो इस प्रकार की चीजें सोते समय हमारे मन और मस्तिष्क पर गहरा असर डालने का काम करती है। घर पर आर्थिक परेशानी बनी रहने के साथ लोग हर समय बीमारी लगी रहती है।
- 7. **शीशा :** पलंग के सिरहाने या सामने किसी तरह का शीशा, दर्पण नहीं लगा होना चाहिए और पलंग का सिरहाना एकदम प्लेन होने चाहिए। इससे गृहस्वामी को अनिद्रा, बेचैनी आदि परेशानियां हो सकती है।
- 8. **जेवर :** पलंग के अंदर कभी भी सोने, चांदी या अन्य धातु के जेवर या गहनें नहीं रखना चाहिए।
- 9. **जूते-चप्पल :** सोने से पहले जूते-चप्पल कभी भी बिस्तर के नीचे या सिरहाने की तरफ न रखें इससे निगेटिव एनर्जी आती है। अनावश्यक जूते चप्पल को पलंग के अंदर न रखें।
- 10. **तेल :** किसी प्रकार का कोई तेल अपने पास रखकर नहीं सोना चाहिए। इससे जीवन में विभिन्न प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई लोग पलंग पेटी में तेल की केन रख देते हैं जोकि हानिकारक है।

मंत्रों की ध्वनि में होती है शक्ति

वैसे तो मंत्रों के अर्थ इतना महत्व नहीं रखते क्योंकि विशेषज्ञों का मानना है कि मंत्रों के अर्थ में नहीं बल्कि ध्वनि में शक्ति होती है। इसका एक कारण यह भी है कि इन मंत्रों की उत्पति के बारे में कहा जाता है कि ये किसी व्यक्ति विशेष द्वारा नहीं लिखे गए हैं बल्कि वर्षों की साधना के बाद ऋषि मुनियों ने इन ध्वनियों को सुना है। विशेषकर बीज मंत्रों के बीजाक्षरों का अर्थ साधारण व्यक्ति के लिए समझना बहुत मुश्किल है उसे ये निर्रथक लगते हैं लेकिन माना जाता है कि ये बीजाक्षर सार्थक हैं और इनमें एक ऐसी शक्ति अन्तर्निहित रहती है जिससे आत्मशक्ति या फिर देवताओं को उत्तेजित किया जा सकता है। ये बीजाक्षर अन्त्करण और वृत्ति की शुद्ध प्रेरणा के व्यक्त शब्द हैं, जिनसे आत्मिक शक्ति का विकास किया जा सकता है। मंत्र का शाब्दिक अर्थ होता है एक ऐसी ध्वनी जिससे मन का तारण हो अर्थात मानसिक कल्याण हो जैसा कि शास्त्रों में कहा गया है 'मनः तारयति इति मंत्रः' अर्थात मन को तारने वाली ध्वनि ही मंत्र है। वेदों में शब्दों के संयोजन से इस प्रकार की कल्याणकारी ध्वनियां उत्पन्न की गई। माना जाता है कि मनुष्य की अवचेतना में बहुत सारी आध्यात्मिक शक्तियां होती हैं जिन्हें मंत्रों के द्वारा प्रयोग में लाया जा सकता है। मंत्र की ध्वनियों के संघर्ष से इन आध्यात्मिक शक्तियों को उत्तेजित किया जाता है हालांकि इसके लिए सिर्फ मंत्रोंच्चारण काफी नहीं है बल्कि दृढ़ इच्छा शक्ति से ध्वनि-संचालन एवं नैष्ठिक आचार भी जरुरी है। तंत्र साधना के मंत्रों में मंत्रोच्चारण की शुद्धि व मंत्रोचार के दौरान विशेष नियमों का पालन करना होता है जो किसी गुरु के मार्गदर्शन में ही संभव है। अक्सर लोग मंत्रों या बीज मंत्रों का जाप करते हैं या फिर जाप करवाते हैं लेकिन इन मंत्रों के मायने क्या हैं इस पर ध्यान नहीं देते लेकिन हर मंत्र में निहित बीजाक्षर और बीजाक्षर में निहित वर्ण बिंदु एवं मांत्राएं किसी न किसी देवी-देवता का प्रतिनिधित्व करती है। इस बारे में विश्वसनीय जानकारी बहुत कम मिलती है। लेकिन फिर भी हमने कुछ प्रयास किया है इन मंत्रों का अर्थ जानने का। यह भी देखने को मिलता है कि गायत्री और मृत्युंजय मंत्र जैसे लोकप्रिय मंत्रों के सरलार्थ तो हमें मिल जाते हैं, लेकिन अन्य मंत्रों के बारे में जानकारी नहीं मिलती।

विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार में 10,850 करोड़ रुपए डाले

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) मई में अब तक भारतीय शेयर बाजारों में लिवाल बने हुए हैं। देश के स्थिर वृहद आर्थिक माहौल, जीएसटी संग्रह के मजबूत आंकड़ों तथा कंपनियों के उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों के बीच एफपीआई ने पिछले चार कारोबारी सत्रों में शेयर बाजारों में 10,850 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इससे पहले अप्रैल में एफपीआई ने शेयरों में 11,630 करोड़ रुपए और मार्च में 7,936 करोड़ रुपए डाले थे। मार्च में एफपीआई का निवेश मुख्य रूप से अमेरिका के जीक्यूजी पार्टनर्स द्वारा अडानी समूह की कंपनियों में किया गया था। यदि अडानी समूह की कंपनियों को मिले निवेश को हटा दिया जाए, तो मार्च में एफपीआई का प्रवाह नकारात्मक रहेगा। बाजार के जानकारों ने कहा` कि आगे चलकर रुपए में मजबूती और चौथी तिमाही के अच्छे नतीजे भारत में पूंजी प्रवाह बढ़ाने में मदद करेंगे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने दो से पांच मई के दौरान चार कारोबारी सत्रों में भारतीय शेयरों में 10,850 करोड़ रुपए का निवेश किया है। एफपीआई देश के स्थिर वृहद आर्थिक माहौल, जीएसटी संग्रह के मजबूत आंकड़ों और कंपनियों के उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों की वजह से भारतीय बाजार में निवेश कर रहे हैं। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार से 2,460 करोड़ रुपए निकाले हैं।

आईएमएफ ने ऋण शर्तें पूरी करने के पाकिस्तान का दावा खारिज किया

इस्लामाबाद । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने नकदी संकट में फंसे पाकिस्तान की सरकार के इस दावे को खारिज कर दिया है कि उसने ऋण सुविधा के तहत धन जारी करने के लिए आईएमएफ की सभी शर्तों को पूरा कर लिया है। आईएमएफ ने पाकिस्तान को कुछ शर्तों पर छह अरब डॉलर देने के लिए 2019 में समझौता किया था। यह योजना कई बार बेपटरी हुई और पूरा भुगतान अभी तक नहीं हो पाया है क्योंकि आईएमएफ चाहता है कि पाकिस्तान को सभी शर्तों का पालन करना चाहिए। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और वित्त मंत्री इशाक दार ने बार-बार दावा किया है कि कर्मी स्तरीय समझौते पर पहुंचने के लिए पाकिस्तान ने सभी शर्तें पूरी कर ली हैं और समझौते से पीछे हटने का कोई कारण नहीं है। खबर के मुतो बिक उसके पास आईएमएफ की ओर से एक बयान आया है, जिसमें नौवीं समीक्षा के लिए जरूरी सभी औपचारिकताएं पूरी करने के पाकिस्तान सरकार के दावे को खारिज कर दिया गया है। खबर में पाकिस्तान में आईएमएफ मिशन के प्रमुख नाथन पोर्टर के हवाले से बताया कि आईएमएफ पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ लगातार काम कर रहा है।

दाइकिन इंडिया एक अरब डॉलर की कंपनी बनी, तीन साल में कारोबार दोगुना होने की उम्मीद

नई दिल्ली: एयर कंडीशनर (एसी) कंपनी दाइकिन एयरकंडीशनिंग इंडिया ने वित्त वर्ष 2022-23 में एक अरब डॉलर की कंपनी बनने का लक्ष्य हासिल कर लिया है। कंपनी का अगले तीन साल में दो अरब डॉलर की फर्म बनने का लक्ष्य है। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) कंवलजीत जावा ने यह बात कही। कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 में कारोबार 8,860 करोड़ रुपए रहा था। जावा ने बताया कि कंपनी अपनी आगामी परियोजनाओं के लिए भारत में बहुत संभावनाएं देख रही है और अगले तीन वर्षों में अपना कारोबार दो अरब डॉलर या 16,350 करोड़ रुपए पर पहुंचने की उम्मीद जता रही है। दाइकिन इंडिया ठंडक देने वाले उत्पाद बेचने वाली एक अरब डॉलर की दूसरी कंपनी बन गई है। इससे पहले टाटा समूह की कंपनी वोल्टास ने बीते वित्त वर्ष में 9,667 करोड़ रुपए का राजस्व दर्ज किया था। इस संबंध में जावा ने कहा, 'हां, हम अब एक अरब डॉलर की कंपनी बन गए हैं।' जापान की दाइकिन इंडस्ट्रीज के पूर्ण स्वामित्व वाली यह कंपनी वाणिज्यिक और आवासीय एसी की प्रमुख वैश्विक विनिर्माता है और भारत में अब तक 2,300 करोड़ रुपये का निवेश कर चुकी है।

वित्त वर्ष 23 में अडानी पावर का मुनाफा बढ़कर 10,726.6 करोड़ रहा

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2022-23 में अडाणी पावर लिमिटेड का मुनाफा 118.4 फीसदी बढ़कर 10,726.6 करोड़ रुपए हो गया, जो कि पिछले वित्त वर्ष में 4,911.58 करोड़ रुपए था। कंपनी की एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार इस अवधि के दौरान पावर कंपनी का रेवेन्यू बढ़कर 38,773.30 करोड़ रुपए हो गया, जो कि 40 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। पिछले साल की समान अवधि में यह 27,711.20 करोड़ रुपए था। कंपनी के रेवेन्यू में वृद्धि मुख्य रूप से बेहतर टैरिफ वसूली और कोयले के लिए उच्च आयात कीमतों के कारण हासिल हुई है। वहीं अदाणी पावर का ऐ बि डिटा 9,814.16 करोड़ रुपए की तुलना में 2.3 फीसदी की वृद्धि के साथ 10,044.7 करोड़ रुपए हो गया। वित्त वर्ष 2023 में कंपनी की कुल रेवेन्यू 35.8 प्रतिशत बढ़कर 43,041 करोड़ रुपए रहा, जो कि 2021-22 में यह 31,686 करोड़ रुपए था। मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा 12.9 प्रतिशत बढ़कर 5,242.48 करोड़ रुपए हो गया।

2022 की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 4,645 करोड़ रुपए था। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंजों को एक फाइलिंग के जरिये बताया कि इस तिमाही उसका मुनाफा 10,795 करोड़ रुपए रहा, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 13,308 करोड़ रुपए था।

इरडा ने की तैयारी, बीमा कंपनियों के मीडिया अभियानों के लिए नियम सख्त होंगे

नई दिल्ली:

भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) बीमा कंपनियों के मीडिया अभियानों के लिए नियमों को सख्त करने पर विचार कर रहा है। इसके तहत इन कंपनियों के वरिष्ठ प्रबंधन को उत्पाद प्रचार के लिए मीडिया अभियानों को तैयार करने और मंजूरी देने की जिम्मेदारी देने का प्रस्ताव है। इस सिलसिले में इरडा ने बीमा विज्ञापन खुलासा नियमन, 2021 में संशोधन का प्रस्ताव किया है। प्रस्तावित संशोधन के तहत, प्रत्येक बीमा कंपनी को कम से कम तीन सदस्यों वाली एक विज्ञापन समिति का गठन करना होगा। ये सदस्य विपणन, बीमांकिक और अनुपालन कार्यों से संबंधित होंगे। इरडा ने कहा कि इन संशोधनों का उद्देश्य ग्राहकों के लिए विज्ञापनों को तैयार करने और उन्हें मंजूरी देते समय वरिष्ठ प्रबंधन को जवाबदेह ठहराना है। इरडा ने इस पर 25 मई तक हितधारकों से सुझाव मांगे हैं। मसौदे में कहा गया कि इस समिति को उत्पाद प्रबंधन समिति को जवाब देना होगा। विज्ञापन समिति की सिफारिशों की जांच उत्पाद प्रबंधन समिति करेगी और उसके पास विज्ञापनों को मंजूरी देने या खारिज करने का अंतिम अधिकार होगा।

बिना ड्राइविंग लाइसेंस के चलाएं यूलू विन इलेक्ट्रिक स्कूटर

नई दिल्ली ।

देश भर के बाजारों में इन दिनों इलेक्ट्रिक व्हीकल की मांग भी लगातार बढ़ रही है। इस समय बाजार में आपको कई ब्रांड्स के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर आसानी से मिल जायेंगे लेकिन एक ऐसा स्कूटर है जो न सिर्फ आपकी जरूरत को पूरा करेगा बल्कि आपको किफायती दाम में मिल जाएगा और इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को चलाने के लिए आपको ड्राइविंग लाइसेंस और चाबी की जरूरत भी नहीं होगी। ये स्कूटर है यूलू` विन इलेक्ट्रिक, जिसे हाल ही में ऑनलाइन इलेक्ट्रिक स्कूटर एग्रीगेटर यूलू ने लॉन्च किया है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को बजाज ऑटो की सहायक कंपनी चेतक टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने तैयार किया है। यह भारत का पहली की-लेस इलेक्ट्रिक स्कूटर है। इसे चलाने के लिए आपको चाबी की जरूरत नही पड़ेगी। इसके लिए अपने फोन में यूलू ऐप इंस्टॉल करना होगा। इस ऐप के जरिये आप यूलू` विन इलेक्ट्रिक स्कूटर को एक्सेस करने के साथ ही कंट्रोल भी कर पाएंगे। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में लोकेशन ट्रैक करने का भी फीचर दिया गया है। जिसमें आप यूलू अऐप के जरिये यूलू के लोकेशन का पता लगा सकते हैं। कंपनी ने फिलहाल इस नए इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की बुकिंग शुरू कर दी गई है। आप कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट बीयूवायडाटयूलूडाटबाइक पर जाकर सिर्फ 999 रुपये में स्कूटर की बुकिंग कर सकते हैं। चूंकि यह इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंगल सीट वाला है, इसलिए इसमें सिर्फ एक लोग बैठ सकते हैं।

(शेयर बाजार समीक्षा) कंपनी परिणामों और वैश्विक रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

डॉलर के मुकाबले रुपए का उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगी

मुंबई ।

इस सप्ताह कंपनियों के तिमाही पे रिणामों और वैश्विक रुझान से शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। यह विश्लेषकों का कहना है। इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की कारोबारी गतिविधियों पर भी सभी की नजरें रहेगी। एक बाजार के विश्लेषक ने कहा कि घरेलू बाजार की निगाह कंपनियों के मार्च तिमाही के नतीजों और कर्नाटक विधानसभा चुनाव पर रहेगी। सप्ताह के दौरान एशियन पेंट्स, सिप्ला, आयशर मोटर्स, लार्सन एंड टुब्रो और यूपीएल के चौथी तिमाही के परिणाम घोषित होंगे। उन्होंने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपए का उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक बाजार की स्थिति कमजोर है। हर किसी की नजर अमेरिकी क्षेत्रीय बैंकिंग प्रणाली (छोटे बैंकों) पर है, जो संकट में है। इसके अलावा सप्ताह के दौरान अपोलो टायर्स, इंडियन ओवरसीज बैंक और टाटा मोटर्स के तिमाही नतीजे भी घोषित होंगे।

इस सप्ताह बाजार भागीदारों की निगाह वृहद आर्थिक आंकड़ों..औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर रहेगी। इसके अलावा 10 अप्रैल को अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़े भी आने हैं। पिछले शुक्रवार को एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लिमिटेड के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। इस तरह की खबरें आई हैं कि विलय के बाद अस्तित्व में आने वाली एचडीएफसी की इकाई से बड़ी मात्रा में पूंजी की निकासी हो सकती है। इसके बाद इन कंपनियों के शेयर नीचे आ गए। बाजार विश्लेषकों के अनुसार घरेलू बाजार पिछले सप्ताह की शुरुआत में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के प्रवाह और अनुकूल घरेलू वृहद आर्थिक आंकड़ों की वजह से सकारात्मक बना रहा। बाजार विशेषज्ञ के मुतो बिक अप्रैल में भारत ने ज्यादातर बाजारों से बेहतर प्रदर्शन किया। इसकी मुख्य वजह एफआईआई की लिवाली है। पिछले सात कारोबारी सत्रों 26 अप्रैल से पांच मई तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 11,700 करोड़ रुपए शेयर खरीदे हैं।

अगले दो साल में ब्रिटेन में परिचालन पर फैसला करना होगा: टाटा स्टील सीईओ

– टाटा कंपनी ने ब्रिटेन सरकार से दो ब्लास्ट फर्नेस को बदलने वित्तीय पैकेज मांगा

मुंबई ।

टाटा स्टील को अगले एक या दो साल में ब्रिटेन में अपने परिचालन के भविष्य पर फैसला करना होगा, क्योंकि वहां उसकी परिसंपत्तियों का जीवनकाल समाप्त हो रहा है और यथास्थिति जारी नहीं रह सकती है।

कंपनी के वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन ने यह बात कही है। टाटा स्टील ने ब्रिटेन सरकार से दो ब्लास्ट फर्नेस को बदलने के लिए वित्तीय पैकेज मांगा है। इन ब्लास्ट फर्नेस की समयसीमा 12 से 24 माह में समाप्त हो जाएगी। इसके अलावा कंपनी साउथ वेल्स के अपने पोर्ट टालबोट कारखाने में कॉर्बन उत्सर्जन में कमी के लिए भी वित्तीय पैकेज चाहती है। नरेंद्रन ने कहा कि कंपनी को या तो वहां अपना परिचालन बंद करना होगा या ब्रिटेन सरकार के वित्तीय पैकेज की मदद से कॉर्बन उत्सर्जन को समाप्त करने की योजनाओं का क्रियान्वयन करना होगा। नरेंद्रन ने कहा कि कंपनी ब्रिटेन सरकार से पैकेज के लिए बात कर रही है क्योंकि वहां उसकी संपत्तियों की मियाद समाप्त होने को है। यथास्थिति जारी नहीं रह सकती। उन संपत्तियों को या तो बंद करना होगा या हमें एक नए प्रक्रिया मार्ग की ओर बदलाव करना होगा। ऐसे में अगले साल या दो साल में हमें ब्रिटेन के बारे में फैसला करना होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या ब्रिटेन सरकार से मौद्रिक सहायता के अभाव में कंपनी वहां से बाहर निकल जाएगी।

उन्होंने कहा ब्रिटेन में यह सरकार के साथ चर्चा का अधिक मामला है। सरकार हमारे साथ बातचीत कर रही है। यह देखना होगा कि वे हमें क्या समर्थन दे सकते हैं या क्या नहीं दे सकते। सरकार के साथ बातचीत के आधार पर हमें यह आकलन करना होगा। टाटा स्टील ने खुद को कॉर्बन मुक्त कंपनी बनाने के लिए ब्रिटेन सरकार से 1.5 अरब पाउंड की मांग की थी। इसके तहत वह कम कॉर्बन उत्सर्जन वाली नई संयंत्र मशीनरी लगाएगी। हालांकि, ब्रिटेन सरकार ने इस साल की शुरुआत में जवाबी पेशकश दी है, जो कंपनी की उम्मीदों से काफी कम है।

तापमान में गिरावट से घटी एसी-फ्रिज की डिमांड, सेल्स में भारी गिरावट

(एजेंसी)

उत्तर भारत में अप्रैल के अंत और मई की शुरुआत में बेमौसम बारिश होने से एयर कंडीशनर (एसी), फ्रिज और कूलर जैसे ठंडक देने वाले उत्पादों की बिक्री मंद पड़ गई है। विभिन्न कंपनियों ने बताया कि ग्राहकों ने अप्रैल और मई में एसी की खरीद टाल दी है। यह समय इस उद्योग के लिए सबसे व्यस्त रहता है। कुछ कंपनियों ने अप्रैल में पिछले वर्ष की तुलना में बिक्री में लगभग 15 प्रतिशत तक गिरावट देखी है। हालांकि, पैनासोनिक, गोदरेज और दाइकिन जैसे विनिर्माता उम्मीद कर रहे हैं कि इन उत्पादों की बिक्री गर्मी बहाल होते ही सामान्य हो जाएगी। पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया के एसी समूह के कारोबार प्रमुख गौरव शाह ने कहा, 'इस वर्ष अप्रैल के हिसाब से मौसम ठंडा रहा है और इसलिए हमने पिछले वर्ष की तुलना में बिक्री में गिरावट दर्ज की है। हमने देखा कि कई ग्राहकों ने एसी खरीद को फिलहाल टाल दिया है।' उन्होंने कहा, 'अभी बहुत गर्मी शेष है और उम्मीद है कि गर्मी बढ़ेगी।' उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स एवं उपकरण विनिर्माता संघ (सिएमा) के अनुसार, उत्तर भारत में बेमौसम बारिश से एसी, फ्रिज और कूलर की बिक्री को कुछ समय के लिए प्रभावित किया है।

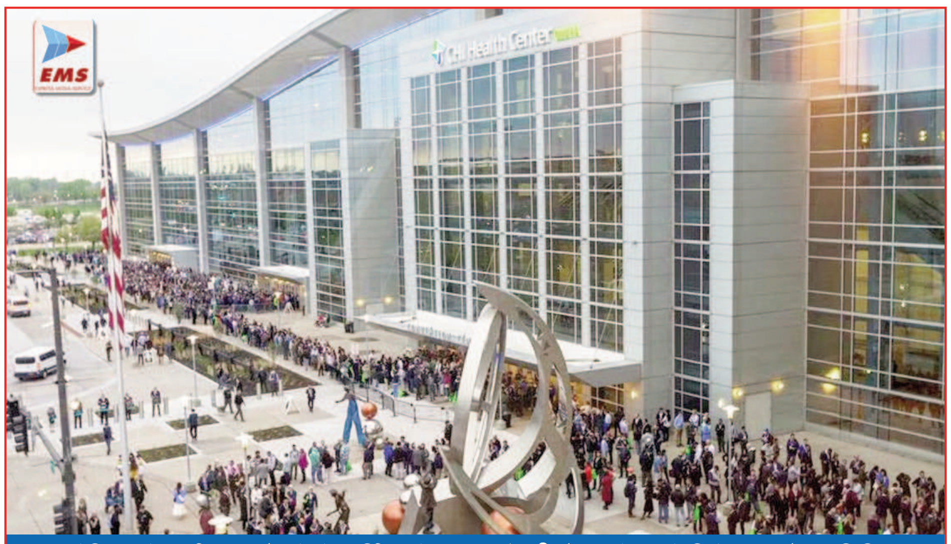

अमेरिका में बर्कशायर हैथवे में वार्षिक शेयरधारकों की बैठम में पहुंचे निवेशक और अतिथि।

अल्ट्रोज़ सीएनजी के लिए बुकिंग शुरू

-आगामी दिनों में कीमत का कर दिया जाएगा ऐलान

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स कंपनी की अल्ट्रोज़ सीएनजी कार के लिए बुकिंग शुरू कर दी है। इस कार की डिलीवरी मई में शुरू होगी और अपकमिंग दिनों में कीमत का ऐलान कर दिया जाएगा। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने 21,000 रुपये की टोकन राशि पर बुकिंग भी शुरु कर दी है। अल्ट्रोज़ सीएनजी 15 वेरिएंट्स में अवेलेबल होगी। टाटा अल्ट्रोज़ सीएनजी के 6 वेरिएंट्स को सनरुफ के साथ पेश किया जा सकता है। सेफ्टी के लिए अल्ट्राज में 6 एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस और स्टेबिलिटी कंट्रोल दिया गया है। अल्ट्राज में 1.2-लीटर, तीन-सिलेंडर इंजन दिया है जिसे 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से जोड़ा है। पेट्रोल मोड पर यह इंजन 86 एचपी और 113 एनएम का टार्क देता है और सीएनजी मोड में यह 77एचपी और 97 एनएम का टार्क देता है। टाटा अल्ट्रोज़ की बुकिंग पहले ही शुरु की जा चुकी है। इसे मई के अंत तक लॉन्च किए जाने का अनुमान है। कीमत को लेकर उम्मीद है कि ये पेट्रोल मॉडल की

तुलना में 90,000 रुपए महंगी होगा। कार की अन्य विशेषताओं में 7.0-इंच टचस्क्रीन, डिजिटल ड्राइवर का डिस्प्ले, एंड्राएड ऑटो और एप्पल कारप्ले, 16-इंच के अलॉय व्हील, एक इंजन स्टार्ट/स्टॉप बटन,ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल, लेदर सीट्स, रियर एसी वेंट और एक फ्रंट शामिल हैं।

(मार्केट कैप) सेंसेक्स की प्रमुख चार कंपनियों का बाजार पूंजीकरण घटा

प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई ।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से चार कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 56,006.15 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी` लिमिटेड को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचडीएफसी और भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन गिर गया।

वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर` लिमिटेड आईटीसी और इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण सामूहिक रूप से 44,540.05 करोड़ रुपए बढ़ गया। इस तरह की खबरें आई हैं कि विलय के बाद अस्तित्व में आने वाली एचडीएफसी की इकाई से उल्लेखनीय रूप से पूंजी बाहर निकल सकती है। इन खबरों के बाद शुक्रवार को एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लिमिटेड के शेयर में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 34,547.61 करोड़ रुपए घटकर 9,07,505.07 करोड़ रुपए रह गया। सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को ही हुआ। एचडीएफसी का बाजार मूल्यांकन 13,584.9 करोड़ रुपए के नुकसान से 4,95,541.41 करोड़ रुपए पर और भारती एयरटेल का 6,356.46 करोड़ रुपए घटकर 4,39,153.22 करोड़ रुपए रह गया। एसबीआई की बाजार हैसियत 1,517.18 करोड़ रुपए घटकर 5,14,370.01 करोड़ रुपए रह गई।

वहीं दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 14,279.06 के रुपए की बढ़ोतरी के साथ 16,51,687.33 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 10,949.09 करोड़ रुपए बढ़कर 5,87,632.77 करोड़ रुपए पर और आईसीआईसीआई बैंक की 6,583.1 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 6,47,532.81 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। टीसीएस के बाजार पूंजीकरण में 5,433.69 करोड़ रुपए का उछाल आया और यह 11,82,184.61 करोड़ रुपए रहा।

स्पाइसजेट की दिवालिया अर्जी पर सुनवाई 8 मई को

स्पाइसजेट ने कहा, सुनवाई का असर उनकी उड़ानों पर नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली ।

गोफर्स्ट एयरलाइंस के बाद अब एक और बड़ी एयरलाइन की मुश्किल बढ़ रही है। देश की एक और एयरलाइन के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया की सुनवाई होने वाली है। विमानन सेवा स्पाइसजेट के दिवालिया अर्जी पर सोमवार, 8 मई को सुनवाई होने वाली है। स्पाइसजेट के एक कर्जदाता की तरफ से दायर की गई दिवाला अर्जी पर सोमवार को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) सुनवाई करने वाला है। हालांकि स्पाइसजेट एयरलाइंस ने कहा कि इस सुनवाई का असर उनकी उड़ानों पर नहीं पड़ने वाला है। गोफर्स्ट के बाद एक और एयरलाइन मुश्किलों में घिर गई है। स्पाइसजेट के खिलाफ भी दिवाला प्रक्रिया की सुनवाई सोमवार को होने वाली है। स्पाइसजेट के एक कर्जदाता कंपनी ने स्पाइसजेट के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया शुरू करने की अर्जी लगाई है। इस पर सोमवार को एनसीएलटी सुनवाई करेगा। लो कॉस्ट एयरलाइन को कर्ज देने वाली कंपनी एयरक्राफ्ट लेसर एयरकॉसल (आयरलैंड) लिमिटेड ने एयरलाइंस के खिलाफ दिवाला मामले के लिए एनसीएलटी के सामने अर्जी लगाई है। 28 अप्रैल को ही कंपनी ने ये आवेदन दिया था, 8 मई को इस मामले की सुनवाई होगी। इससे पहले गोफर्स्ट की स्वामित्व वाली कंपनी वाडिया समूह ने खुद को दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने की अर्जी लगाई है। वहीं खबर ये भी आ रही है कि स्पाइसजेट के खिलाफ दो और कंपनियों ने दिवाला प्रक्रिया शुरू करने की याचिका दी है, जिसमें विलिस लीज फाइनेंस कॉरपोरेशन और एकर्स बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड है। विलिस लीज ने जहां 12 अप्रैल को अर्जी लगाई थी तो वहीं एकर्स बिल्डवेल ने 14 फरवरी को। इस बारे में स्पाइसजेट की ओर से कोई बयान नहीं दिया गया है। इस दिवाला प्रक्रिया को लेकर स्पाइसजेट ने कहा है कि उनकी उड़ानों पर इसका असर नहीं पड़ेगा।

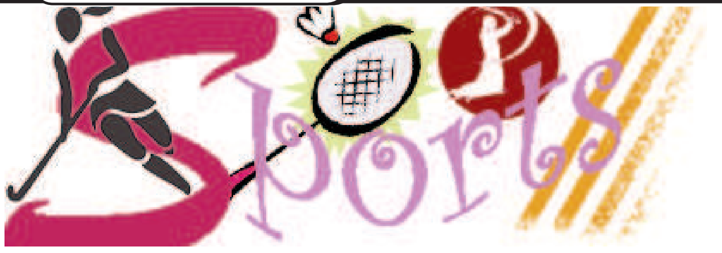

टेनिस स्टार राडुकानू अगले कुछ महीनों के लिए टेनिस कोर्ट से दूर हुईं

लंदन । ब्रिटेन की टेनिस स्टार एमा राडुकानू सर्जरी के कारण अगले कुछ महीनों के लिए टेनिस कोर्ट से दूर रहेंगी। एमा के हाथों और टखने की सर्जरी हुई है, जिसे ठीक होने में अभी समय लगेगा। ऐसे में वह इस साल होने वाले विंबलडन, फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन में भी नहीं खेल पाएंगी। एमा ने इंस्टाग्राम पर सर्जरी के बाद की एक तस्वीर भी साझा की है। 20 साल की राडुकानू ने अस्पताल की एक तस्वीर पोस्ट की और अपने 2.5 लाखों इंस्टाग्राम फॉलोअर्स से कहा, पिछले 10 महीने मेरे लिए बेहद कठिन रहे हैं क्योंकि मैं दोनों हाथों की हड्डी पर बार-बार लगने वाली चोट से परेशान रही हूं। राडुकानू ने लिखा, मैंने दर्द को प्रबंधित करने और इस वर्ष के अधिकांश समय और पिछले साल के अंत तक अभ्यास के दौरान पड़ने वाले दबावा को कम करने, प्रशिक्षण के लापता सप्ताहों के साथ-साथ पिछले सत्र को कम करने की कोशिश की थी पर चोट ठीक नहीं हो पाई। अब मैं इन मुद्दों को हल करने के लिए दोनों हाथों की एक मामूली प्रक्रिया से गुजर रही हूं। राडुकानू ने लिखा, मुझे यह बताते हुए निराशा हो रही है कि मैं अगले कुछ महीनों के लिए बाहर रहूंगी। यह हालांकि मेरे लिए निराशाजनक है। मैं गर्मियों को याद करूंगी। साथ ही अपने सभी प्रशंसकों को सहयोग के लिए धन्यवाद देती हूं।

आईपीएल में आज आमने-सामने होंगी केकेआर और पंजाब किंग्स

कोलकाता ।(एजेंसी)

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सोमवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स के बीच मुकाबला होगा। दोनो ही टीमें अंकतालिका में काफी पीछे हैं और ऐसे में इनका लक्ष्य इस मैच को जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। इस मैच में केकेआर को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा पर जीत के लिए उसके सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा क्योंकि पंजाब की टीम में भी काफी अच्छे खिलाड़ी है और वह किसी भी टीम को हराने की क्षमता रखती है। पंजाब की अंक तालिका में सातवें जबकि केकेआर आठवें स्थान पर है। पंजाब को पिछले मुकाबले में मुम्बई इंडियंस के हाथों हार का सामना करना पड़ा था जिसे भूलकर उसे इस मैच में उतरना होगा। पंजाब के कप्तान शिखर धवन का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा रहा है पर उनकी टीम के अन्य बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। वहीं केकेआर के कप्तान नितीश राणा ने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन कर लय हासिल की है। अब उनका लक्ष्य बचे हुए सभी मैच जीतना रहेगा।

केकेआर को अब तक विफल रहे ऑल राउंडर आंद्रे रसेल और सुनील नारायण की जगह अन्य खिलाड़ियों को शामिल करना चाहिये। नारायण अभी तक गेंदबाजी और बल्लेबाजी में कोई योगदान नहीं कर पाये हैं। रसेल ने पिछले 10 मैचों में 8.76 की इकोनामी रेट से केवल सात विकेट लिए हैं और आठ पारियों में केवल 14 रन बनाए हैं।

वहीं नारायण की जगह केकेआर को जैसे तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन और ऑल राउंडर डेविड वीज में से किसी को रखना चाहिये। केकेआर की ओर से अब तक स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने अच्छी भूमिका निभायी है। ऐसे में टीम के लिए नारायण की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को अंतिम एकादश में रखना आसान रहेगा। वहीं रसेल को बल्लेबाजी के लिए ऊपरी क्रम में भेजना चाहिए क्योंकि उन्हें इससे आक्रामक बल्लेबाजी के लिए समय मिलेगा। रसेल ने अब तक 148 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 166 रन बनाए हैं।

केकेआर के लिए एक सकारात्मक पक्ष ये है कि उसके अपने बाकी बचे चार में से तीन मैच ईडन गार्डंस पर खेलने हैं और ऐसे में उसे घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में केकेआर ने जिस तरह से एक इकाई के तौर पर खेला था वैसा ही प्रदर्शन उसे जीत के लिए करना होगा। वहीं दूसरी ओर धवन की पंजाब के पास नाथन एलिस, सैम कुरेन और अर्शदीप सिंह जैसे अच्छे गेंदबाज हैं पर उसे बल्लेबाजी अच्छी करनी होगी। उसके गेंदबाजों को और प्रयास करने होंगे। मुंबई के खिलाफ पिछले मैच में टीम अपने 214 रन के स्कोर का भी बचाव नहीं कर पायी थी और उसे हार का सामना करना पड़ा था।

पंजाब की बल्लेबाजी लियाम लिविंगस्टोन, शिखर धवन और विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा जैसे बल्लेबाजों पर आधारित है अब देखना है कि केकेआर के गेंदबाज उसपर कितना अंकुश लगा पाते हैं।

रियाल मैड्रिड ने कोपा डेल रे खिताब जीता

सेविले । रियाल मैड्रिड ने रोड्रिगो के दो गोल की सहायता से ओसासुना को फाइनल में 2-1 से हराकर नौ साल बाद कोपा डेल रे फुटबॉल खिताब जीता है। इस मैच में रियाल की ओर से रोड्रिगो ने शुरुआत में ही वीनीसीयस जूनियर के पास पर गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। वहीं मैच के 58वें मिनट में लुकास टोरो ने एक गोल कर अपनी टीम को बरबारी पर ला दिया। इसके बाद रोड्रिगो ने 70वें मिनट में रियाल की ओर से एक और गोल कर स्कोर अपनी टीम को फिर बढ़त दिला दी। उसके बाद ये बढ़त अंत तक कायम रही। मैड्रिड में इससे पहले साल 2014 में कोपा डेल रे का खिताब जीता था।

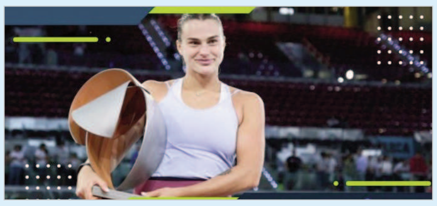

सबालेंका ने मैड्रिड ओपन जीता

मैड्रिड । बेलारुस की आर्यना सबालेंका ने पोलैंड की इगा स्वियाटेक को हराकर मैड्रिड ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी सबलेंका ने विश्व की नंबर एक खिलाड़ी स्वोटेक को 6-3, 3-6, 6-3 से हराया। यह मुकाबला करीब सवा दो घंटे तक चला। इसी के साथ ही सबलेंका ने अपने करियर का 13वां डब्ल्यूटीए टूर एकल खिताब जीता है। अपनी जीत से उत्साहित सबलेंका ने कहा, स्वियाटेक के खिलाफ मुकाबला हमेशा ही कठिन होता है। सबालेंका का यह मैड्रिड मे दूसरा खिताब है। इससे पहले सबलेंका ने यहां 2021 की विश्व नंबर एक खिलाड़ी एशले बार्टी को भी हराया था। सबालेंका ने पहले सेट में चौथे ब्रेक अंक को हासिल कर 5-3 ने बढ़त बनायी। वहीं दूसरे सेट में स्वियाटेक ने 3-0 की बढ़त हासिल कर ली जिससे स्कोर 3-3 हो गया। इसके बाद इस खिलाड़ी ने 5-3 पर अपने ब्रेक अंक के साथह ही दूसरा सेट अपने नाम किया। वहीं तीसरे सेट में सबालेंका ने एक बार फिर 3-0 की बढ़त हासिल कर ली पर स्वियाटेक ने दो गेम जीत कर स्कोर को 3-2 ला दिया। इसके बाद तीसरे सेट में सबालेंका के शक्तिशाली शॉट के सामने स्वोटेक टिक नहीं पायी और 6-3 से इस सेट को हारने के साथ ही खिताब भी हार गयीं।

भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई खेलों की तैयारी के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई खेलों की तैयारी के लिए इसी माह ऑस्ट्रेलिया जाएगी। इस दौरे में पांच मैचों की एक सीरीज होगी। भारतीय टीम का ये दौरा 18 मई से 27 मई तक चलेगा। इससे भारतीय टीम को चीन में इसी साल होने होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों का अच्छा अवसर मिलेगा। इस दौरे में भारतीय टीम पहले तीन मैचों में ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय टीम और उसके बाद अंतिम दो मैचों में ऑस्ट्रेलियाई ए टीम से खेलेगी। ये सभी मैच एडिलेड में खेले जाएंगे। भारत अपना पहला मैच 18 मई को ऑस्ट्रेलिया से खेलेगा जबकि इसके बाद अगले दो मैच 20 और 21 मई को होंगे। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ए से 25 और 27 मई को मैच खेलने हैं।

अभी विश्व रैंकिंग में भारतीय टीम आठवें स्थान पर जबकि ऑस्ट्रेलियाई महिला हॉकी टीम तीसरे नंबर पर है। वहीं चीन में एशियाई खेल इसी साल सितंबर अक्टूबर में होंगे। भारतीय टीम के कोच यानेके शोपमैन ने इस दौरे को लेकर उत्साहित हैं उन्होंने कहा,'' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर खेलने से हमें यह पता करने में सहायता मिलेगी कि हम दुनिया की शीर्ष महिला टीमों के खिलाफ किस हाल में हैं। '' उन्होंने कहा,'' सबसे अहम बात यह है कि यह सीरीज चीन में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों को देखते हुए बेहद अहम रहेगी क्योंकि इससे हमें यह पता करने में सहायता मिलेगी कि हमें किन विभागों में सुधार और बदलाव करने की जरूरत है। इसलिए यह सीरीज हमारे लिए बेहद अहम होगी।''

संक्षिप्त समाचार

विराट के अर्धशतक के बाद भी हारी आरसीबी, एंकर की भूमिका पर सवाल उठाये

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 46 गेंदों पर खेली गई 55 रन की शानदार पारी के बाद भी बल्लेबाज विराट कोहली आलोचना का शिकार हुए हैं। इसका कारण ये है कि आरसीबी को इस मैच में करारी हार झेलनी पड़ी। इससे एक बार फिर टी-20 में पारी संवारने वाले बल्लेबाजों एंकर की भूमिका संदेह में घिर गयी है। वहीं दिल्ली की टीम को फिल सॉल्ट की आक्राम अर्धशतकीय पारी से जीत मिली। इस मैच में आरसीबी का मध्यक्रम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाया। ऐसे में कोहली का अंत तक मैदान में जमे रहना सही भले ही लग रहा हो पर इससे टीम 20 रन कम बना पायी अगर ऐसा नहीं होता तो परिणाम कुछ और होता। कोहली ने शुरुआत में धीमा खेला। इससे साफ जाहिर होता है कि टीमों को अगर पावर प्ले में अच्छा स्कोर बनाना है तो उसके बल्लेबाजों को आक्रामक बल्लेबाजी करनी होगी। ऐसे में पारी सवारने वाले बल्लेबाजों की भूमिका कम हो जाती है। दिल्ली के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने भी इस सत्र की शुरुआत में ही टी20 में एंकर की भूमिका पर संदेह जताया था। ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान ने कहा था, मेरा मानना है कि अगर आपके पास आक्रामक और अच्छे बल्लेबाज हैं तो वह एंकर की भूमिका निभाने के लिए अपना खेल बदल सकते हैं पर पारी संवारने वाले की भूमिका निभा रहा बल्लेबाज मुश्किल से ही 200 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाएगा।

आईपीएल नहीं घरेलू क्रिकेट के कारण टीम इंडिया में जगह मिली : बुमराह

नई दिल्ली । फिट नहीं होने के कारण आईपीएल के 16 सत्र में नहीं खेल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि टीम इंडिया में जगह उन्हें मुम्बई इंडियंस के से खेलने के कारण नहीं मिली है। बुमराह का एक वीडियों सोशल मीडिया पर आया है, इसमें उन्होंने बताया है कि वह किस प्रकार से भारतीय टीम में आये। उनका यह वीडियो युवराज सिंह के साथ इंस्टाग्राम पर बातचीत का है। बुमराह ने इस वीडियो में कहा, लोगों को ऐसा लगता है कि मैं टीम इंडिया में आईपीएल से आया हूं पर यह आधारहीन बात है। मैं 2013 से ही आईपीएल खेल रहा हूं। इसमें भी तीन साल तक मुझे कभी दो, कभी चार और 10 मैच ही खेलने को मिले। उन्होंने कहा, मैं आईपीएल में जब लगातार खेल ही नहीं रहा था तो उसके आधार पर मैं भारतीय टीम में कैसे आ सकता हूं। मैंने विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके साथ ही मुझे रणजी ट्रॉफी में भी विकेट मिले। उसके बाद मुझे टीम इंडिया में स्थान मिला। साल 2016 में टीम इंडिया में जगह मिलने के बाद मुझे लगातार आईपीएल में खेलने का अवसर मिला है। फिर मैं कैसे मान लूं कि आईपीएल से टीम में जगह मिली जबकि आधार तो रणजी ट्रॉफी और घरेलू टूर्नामेंट ही होते है।

आरसीबी की प्लेऑफ की राह हुई मुश्किल , जीतने होंगे बचे हुए सभी मैच

ऑरेंज कैप की दौड़ में डु प्लेसिस, पर्पल कैप की दौड़ में तुषार शीर्ष पर

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली हार के साथ ही रॉयल चॅलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं बेहद कम हो गयी हैं। आरसीबी अब 10 में से पांच जीत और पांच हार के साथ ही अंक तालिका में पांचवें स्थान पर फिसल गयी है। पिछले पांच मुकाबलों में उसे दो में हार मिली है। अब उसे अपनी उम्मीदें बनाये रखने के लिए बचे हुए सभी चार मैचों को जीतना होगा। आरसीबी को प्लेऑफ में अपनी उम्मीदे बनाये रखने के लिए मुंबई, राजस्थान, हैदराबाद और गुजरात पर जीत दर्ज करनी होगी। वहीं गुजरात टाइटंस 10 में से सात मुकाबले जीतकर अभी अंक तालिका में पहले नंबर पर बरकरार है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स 11 मैचों में छह जीत और चार हार के साथ ही दूसरे व लखनऊ और राजस्थान तीसरे और चौथे स्थान पर बनी हुई है। वहीं सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप पर आरसीबी के फाफ डु प्लेसिस की दावेदारी बनी हुई है। डु प्लेसिस ने दिल्ली के खिलाफ मुकाबले में 45 रन बनाए। ऐसे में अब डु प्लेसिस के 10 मैचों में 467 रन हो गए हैं और वह ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे बनी हुई है। इसके अलावा आरसीबी के विराट कोहली भी ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पांच खिलाड़ियों में बने हुए हैं। विराट के नाम 10 मैचों में 376 रन है।

वहीं सबसे अधिक विकेट लेने पर मिलने वाली पर्पल कैप के लिए सीएसके के युवा तुषार देशपांडे ने अपना दावा किया है। तुषार ने अब तक 11 मैचों में 19 विकेट लिए हैं और वह सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में नंबर एक पर बने हुए हैं। पर्पल कैप की दौड़ में दूसरे नंबर पर गुजरात टाइटंस के ही तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और स्पिर राशिद खान 18-18 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर बने हुए हैं।

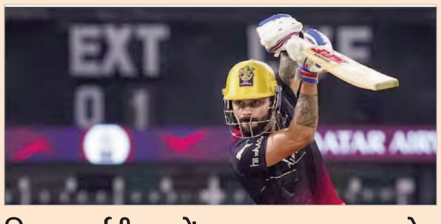

विराट आईपीएल में सात हजार रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने

परिवार कोच और प्रशंसकों के सहयोग के लिए आभार जताया

नई दिल्ली । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल में 7 हजार रन बनाने का आंकड़ा पार कर लिया। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में विराट ने यह उपलब्धि अपने नाम की। विराट ने इस मैच में 12 रन बनाते ही अपने सात हजार रन पूरे कर लिए। आईपीएल में सात हजार रन बनाने वाले वह पहले बल्लेबाज हैं। विराट ने इसपर खुशी जताते हुए कहा कि यह उनके लिए एक अहम उपलब्धि है। विराट ने कहा कि यहां तक पहुंचना उनके लिए एक खास पल है। इसमें उन्हें परिवार पत्नी अनुष्का के अलावा कोच और प्रशंसकों के साथ ही चयनकर्ताओं का भी साथ मिला जिसके लिए मैं उनका आभारी हूं। विराट ने कहा कि मुझे कृतज्ञता के सिवा कुछ नहीं लगता, भगवान ने मुझे ऐसी अद्भुत सफलताएं दी हैं , मैं केवल झुक सकता हूं। मैंने हमेशा पहले दिन से ही कहा है, अनुष्का का मेरे साथ दौरों पर होना मेरे लिए सबसे अहम बात है। मेरे लिए परिवार का समय किसी और चीज से ज्यादा अहम है। मैं अभी बाहर आता हूं और अपने क्रिकेट का आनंद उठाता हूं, क्रिकेट मेरे जीवन का हिस्सा है। विराट ने कहा- जब अनुष्का जब स्टेडियम में मुझे खेलते हुए देखने आती हैं तो बहुत अच्छा लगता है। मेरे भाई और बहन यहां हैं और उनका परिवार भी यहां है। यह अविश्वसनीय था। विराट ने इससे पहले आईपीएल में 232 मैचों की 224 पारियों में 33 बार नाबाद रहते हुए 6988 रन बनाए थे। उन्होंने 5 शतक और 49 अर्धशतक इस टूर्नामेंट में लगाये हैं।

मुम्बई पर जीत के बाद बोले रुतुराज, किसी भी पिच पर खेलने तैयार हैं

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ टीम को मिली जीत से उत्साहित होकर कहा कि उनकी टीम किसी भी पिच पर खेलने के लिए तैयार है। रुतुराज ने माना कि इस मैदान पर उनकी टीम को घरेलू हालातों का लाभ मिलता है। ऐसे में वह किसी भी पिच पर खेल सकते हैं। सीएसके ने ने यहां चेपॉक में खेले गए आईपीएल लीग मुकाबले में मुंबई इंडियंस को छह विकेट से हरा दिया। सीएसके टीम ने इस मैच में मुंबई की टीम को 8 विकेट पर 139 रन पर रोकने के बाद 17.4 ओवर में ही जीत हासिल कर ली। उन्होंने कहा, '' यहां पिछले दो मैचों में हमें करीबी मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। हम जीत से केवल एक दो कदम ही दूरी पर थे। घरेलू हालातों से मिलने वाले लाभ को देखते हुए हम यहां किसी भी पिच पर खेल सकता हैं। वहीं मुंबई के बल्लेबाज नेहाल वढेरा ने कहा कि उनकी टीम इस मैच में 15 से 20 रन और बनाती तो परिणाम अलग होता।

डु प्लेसिस ने बताया कुछ खराब गेंदें बनी हार का कारण

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल लीग मुकाबले में मिली हार से निराश रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने कहा है कि कुछ खराब गेंदें फेंकने के कारण उनकी टीम मैच से बाहर हुई। डु प्लेसिस ने कहा, मुझे लगा था कि 185 का स्कोर अच्छा है पर ओस ने स्पिनरों को खेलना आसान बना दिया। इससे मैच हमारे हाथ से निकल गया। इसके अलावा दिल्ली के बल्लेबाजों ने भी अच्छी बल्लेबाजी कर मैच हमसे छीन लिया। साथ ही कहा कि सभी लोग स्पिनरों पर भरोसा करते हैं पर ओस को देखते हुए सही क्षेत्रों में गेंदबाजी करने की जरूरत होती है। कुछ खराब गेंदें फेंकने और कुछ गलतियां करने से हम मुकाबले से बाहर हो गए। इस मैच में दिल्ली ने अच्छी बल्लेबाजी की। फाफ ने कहा, हमें अंत में और प्रयास करना चाहिये था। हमें पहले लगा जैसे 185 का स्कोर ठीक है पर हमें वहां एक बड़े ओवर की जरूरत थी जिससे कि हम 200 के स्कोर पर पहुंच पाते। अगर ऐसा होता तो इससे फर्क पड़ता। चौथे नंबर पर ग्लेन मैक्सवेल ने हमारे लिए अच्छा प्रदर्शन किया। महिपाललोमरोर ने भी पांचवें नंबर पर अच्छा खेला। यहां की पिच धीमी रहती है। अगर आप पहले 6 ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी करते हैं तो आप शीर्ष पर पहुंच सकते हैं। इस मैच में दिल्ली ने फिलिप सॉल्ट के 87 रनों की सहायता से 7 विकेट से यह मुकाबला जीत लिया। वहीं आरसीबी ने विराट कोहली, लोमरोर के अर्धशतकों से चार विकेट पर 181 रन बनाए थे। दिल्ली ने कप्तान डेविड वॉर्नर, मिशेल मार्श और रौसौव वह सॉल्ट की शानदार अर्धशतकीय पारी से जीत दर्ज की। इस हार से आरसीबी अब पांचवे नंबर पर खिसक गयी है। ऐसे में उसे प्लेऑफ के लिए बचे हुए सभी तीनों मैच जीतने होंगे।

पाथिराना शानदार गेंदबाज पर उन्हें केवल आईसीसी टूर्नामेंटों में ही रखे श्रीलंका : धोनी

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने मुम्बई इंडियंस टीम के खिलाफ मिली जीत के बाद श्रीलंकाई टीम के युवा तेज गेंदबाज मथीश पथिराना की जमकर प्रशंसा की है। पथिराना ने मुम्बई के खिलाफ मैच में सीएसके की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। धोनी ने कहा कि पथिराना एक शानदार प्रतिभा है पर उन्हें सभी प्रारुपों विशेषकर टेस्ट क्रिकेट में शामिल नहीं किया जाना चाहिये। पथिराना पूर्व श्रीलंकाई तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा की तरह एक्शन वाले गेंदबाज हैं। इस युवा गेंदबाज ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ चार ओवर में ही 15 रन देकर तीन विकेट लिए थे। धोनी ने कहा कि 'स्लिंग एक्शन वाले गेंदबाजों को चोटिल होने का खतरा अधिक रहता है। इसलिए पाथिराना को सभी प्रारुपों में उतारने से बचा जाना चाहिये। धोनी ने कहा, जिन गेंदबाजों का एक्शन मुश्किल होता है बल्लेबाजों के लिए उनकी गेंदों को खेलना कठिन होता है। पथिराना की निरंतरता और तेजी उसे विशेष बनाती है। मुझे लगता है कि उसे टेस्ट क्रिकेट में शामिल नहीं करना चाहिये। उसे केवल आईसीसी टूर्नामेंट में ही शामिल करना चाहिये। अभी वह युवा है और वह श्रीलंकाई क्रिकेट के लिए काफी अहम साबित होगा। सीएसके और मुम्बई के बीच हुए मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडियंस ने आठ विकेट पर 139 रन बनाये। इसके बाद चेन्नई सुपरकिंग्स ने 17.4 ओवर में ही 140 बना कर लक्ष्य हासिल कर लिया।

गुजरात में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत गत 9 वर्षों में 12.75 करोड़ से अधिक बच्चों की स्वास्थ्य जांच की गई

RBSK
RASHTRIYA BAL SWASTHYA KARYAKRAM
राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम
FROM SURVIVAL TO HEALTHY SURVIVAL

अहमदाबाद । गुजरात सरकार ने राज्य के बच्चों के स्वास्थ्य की सदैव चिंता की है, क्योंकि यही बच्चे कल के भारत का भविष्य हैं। राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए वर्ष 1998 में शाला आरोग्य कार्यक्रम लागू किया था। बाद में वर्ष 2014 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की शुरुआत की गई। परिणामस्वरूप वर्ष 2014 से गुजरात के शाला आरोग्य कार्यक्रम को 'शाला आरोग्य-राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम' (एसएच-आरबीएसके) के रूप में जाना जाता है। आज मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व और मार्गदर्शन में शाला आरोग्य-राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिवर्ष राज्य के करोड़ों बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। पिछले एक वर्ष के दौरान ही यानी वर्ष 2022-23 में इस कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के 1 करोड़ 35 लाख 19 हजार 381 बच्चों का स्वास्थ्य संबंधित परीक्षण किया गया है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य में वर्ष 2014 से अब तक यानी पिछले 9 वर्षों के दौरान राज्य भर के 12.75 करोड़ से अधिक बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है। इनमें से 1,39,368 बच्चों की हृदय संबंधित सर्जरी एवं उपचार, 17,556 बच्चों का किडनी संबंधित उपचार, 10,860 बच्चों का कैंसर का उपचार, 177 बच्चों का किडनी ट्रांसप्लांट, 26 बच्चों का लिवर ट्रांसप्लांट, 198 बच्चों का बोन मैरो ट्रांसप्लांट, 2738 बच्चों की कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी, 6987 बच्चों के क्लब फुट (जन्मजात टेढ़े-मेढ़े पैर) और 6064 बच्चों के क्लेफ्ट लिप एंड पैलेट (कटे होंठ व तालू) का उपचार किया गया है। यदि वर्ष 2022-23 की बात करें, तो 17,544 बच्चों का हृदय संबंधित उपचार, 724 बच्चों का किडनी संबंधित उपचार, 337 बच्चों के कैंसर का उपचार, 13 बच्चों का किडनी ट्रांसप्लांट, 1 बच्चे का लिवर ट्रांसप्लांट, 10 बच्चों का बोन मैरो ट्रांसप्लांट, 297 बच्चों की कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी, 952 बच्चों के क्लब फुट और 315 बच्चों के कटे होंठ एवं तालू का उपचार किया गया है। शाला आरोग्य-राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत हृदय की सर्जरी करवाने वाले शाहनवाज नासिर खान पठान की माता शाहजहान पठान कहती हैं, "मेरे पांच साल के बेटे को निमोनिया होने के बाद सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य जांच कराने पर पता चला कि उसके हृदय में छेद है। सभी रिपोर्ट कराने के बाद बेटे को तुरंत यू. एन. मेहता होस्पिटल में शिफ्ट किया गया, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा निःशुल्क सर्जरी की गई l उन्होंने कहा कि अब बेटे की तबीयत बिल्कुल ठीक है और सर्जरी के बाद भी किसी दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ा है। हम इसके लिए राज्य एवं केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हैं।"

गुजरात में अगले दो दिन रहेगा बरसाती माहौल, दो दिन बाद झुलसाएगी गर्मी

अहमदाबाद। गुजरात में अगले दो दिन बेमौसमी बारिश का संकट बरकरार रहेगा। पिछले कई दिनों से राज्य में बेमौसमी बारिश ने पहले ही कृषि फसलों को व्यापक नुकसान पहुंचाया है। जिससे अगले दो दिनों तक राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों के दौरान राज्य में बेमौसमी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक साबरकांठा, बनासकांठा, अरवल्ली, राजकोट, पोरबंदर में बारिश होगी। गर्मी के मौसम में राज्य के ज्यादातर जिलों में बेमौसमी बारिश हो रही है। जिसमें अमरेली, वलसाड, बनासकांठा समेत अनेक जिलों में तेज हवा और गरज के साथ बारिश हुई है। अरवल्ली जिले में तो ओले बरसे हैं। कल सौराष्ट्र के कुछ हिस्सों में सामान्य बारिश होने की संभावना है। जामनगर, राजकोट, अमरेली और भावनगर में सामान्य बारिश हो सकती है। बेमौसमी बारिश की एक और भविष्यवाणी से किसानों की चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग के मुताबिक सौराष्ट्र, दक्षिण गुजरात और उत्तरी गुजरात में बेमौसमी बारिश हो सकती है। जामनगर, अमरेली, भावनगर, राजकोट, सुरेन्द्रनगर समेत कच्छ में तेज हवा के साथ बारिश हो सकती है। अहमदाबाद और गांधीनगर में भी तेज हवा के साथ बेमौसमी बारिश की संभावना है। इसके अलावा उत्तरी गुजरात के पाटन, साबरकांठा, मेहसाणा में बारिश की संभावना है। हांलाकि दो दिनों के बाद राज्य में बेमौसमी बारिश का जोर घटेगा और तापमान में 3 से 5 डिग्री की वृद्धि होगी। ज्यादातर शहरों का तापमान 40 डिग्री के पार जा सकता है। उत्तर गुजरात के अनके शहरों में भीषण गर्मी की संभावना है। मौसम विभाग ने आगामी 9 मई को अहमदाबाद में यलो अलर्ट दिया है।

गुजरात में तलाटी की परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न, प्रशासन ने ली राहत की सांस

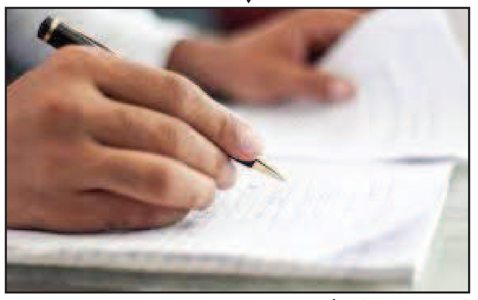

अहमदाबाद। गुजरात में रविवार को तलाटी कम मंत्री की परीक्षा बिना किसी विघ्न के शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न होने से प्रशासन ने राहत की सांस ली है। 343। पदों पर भर्ती के लिए 8.64 लाख से भी ज्यादा उम्मीदवारों ने आज परीक्षा दी। कड़ी सुरक्षा और कैमरों की बाज नजर के बीच तलाटी की परीक्षा निर्विघ्न रूप से संपन्न हो गई। दोपहर 12.30 बजे शुरू हुई परीक्षा दोपहर 1.30 बजे तक परीक्षा पूर्ण हो गई। परीक्षा केन्द्रों से बाहर आए परीक्षार्थी काफी खुश नजर आ रहे थे। केन्द्रों से बाहर आने के बाद परीक्षार्थियों ने कहा कि पेपर काफी आसान था। कई परीक्षार्थियों के मुताबिक पेपर काफी मुश्किलभरा था। परीक्षार्थियों के मुताबिक परीक्षा के लिए प्रशासन की ओर से काफी अच्छी व्यवस्था की गई थी। तलाटी की परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो इसके लिए लाखों लोगों ने प्रार्थना की थी, जो सफल हुई। तलाटी की परीक्षा एक सेवायज्ञ साबित हुई। तलाटी के परीक्षार्थियों की मदद में अनेक लोग खड़े रहे। गुजरात पुलिस के जांबाज जवान परीक्षार्थियों के लिए देवदूत बनकर आए। पुलिस ने ट्रैफिक के कारण या रास्ता भूल जाने वाले परीक्षार्थियों को समय पर परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचाया। ऐसी कई घटनाएं राज्यभर से सामने आई हैं, जिसमें पुलिस ने परीक्षार्थियों की काफी मदद की। इसके अलावा परीक्षार्थियों के आवागमन के लिए विशेष परीक्षा ट्रेनों के अलावा गुजरात राज्य पथ परिवहन निगम ने स्पेशल बसें भी दौड़ाई। तलाटी की परीक्षा निर्विघ्न संपन्न कराना गुजरात सरकार के लिए किसी चुनौती से कम नहीं था। इससे पहले कई राज्य में पेपर लीक के दाग सरकार पर लग चुके हैं। लेकिन तलाटी की परीक्षा बिना किसी गड़बड़ी के पूर्ण हो गई। जीएसएसबी के अध्यक्ष हसमुख पटेल ने तलाटी की परीक्षा बिना किसी गड़बड़ी पूर्ण कराने के लिए काफी मेहनत की थी और वह आखिर रंग लाई।

गुजरात स्टोरी : गुजरात में 2021 तक पांच वर्षों के दौरान 41,621 महिलाएं लापता

अहमदाबाद । केरल महिलाओं के धर्मांतरण और आईसिस में शामिल होने के मुद्दे पर देश भर में बहस हो रही है। उधर पांच वर्षों के दौरान गुजरात में 40,000 से अधिक महिलाएं लापता हो गई हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में 2016 में 7,105, 2017 में 7,712, 2018 में 9,246 और 2019 में 9,268 महिलाएं लापता हुईं। 2020 में 8,290 महिलाओं के लापता होने की सूचना मिली थी। पिछले 5 साल में ये संख्या 41,621 तक हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा 2021 में विधानसभा में दिए गए एक बयान के अनुसार, अहमदाबाद और वडोदरा में केवल एक वर्ष (2019-20) में 4,722 महिलाएं लापता हो गई। 2018 में राज्य सरकार ने स्वीकार किया कि पिछले दो वर्षों के दौरान राज्य की 14,004 महिलाओं के लापता होने की सूचना मिली थी। लेकिन, इनमें से लगभग 76 प्रतिशत इसी अवधि के दौरान पाई गईं थीं। उन वर्षों में प्रतिदिन 18 महिलाओं के लापता होने की बात कही गई थी। सबसे ज्यादा अहमदाबाद और सूरत में महिलाओं के लापता होने की रिपोर्ट हुई।

न्यूइंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व आईपीएस अधिकारी और गुजरात राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्य सुधीर सिन्हा ने कहा, कुछ लापता व्यक्तियों के मामलों में मैंने देखा है कि लड़कियों और महिलाओं को कभी-कभी गुजरात के अलावा अन्य राज्यों में भेजा जाता है और वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर किया जाता है। पुलिस प्रणाली की समस्या यह है कि वह गुमशुदगी के मामलों को गंभीरता से नहीं लेती है। जबकि ऐसे मामले हत्या से भी गंभीर होते हैं। गुमशुदगी के मामले की जांच हत्या के मामले की तरह सख्ती से की जानी चाहिए। गुमशुदा लोगों के मामलों की अक्सर पुलिस द्वारा अनदेखी की जाती है क्योंकि उनकी जांच ब्रिटिश काल के तरीके से की जाती है।

पूर्व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डॉ. राजन प्रियदर्शी ने कहा कि लड़कियों के लापता होने के लिए मानव तस्करी जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि - मेरे कार्यकाल के दौरान, मैंने देखा कि अधिकांश लापता महिलाओं को अवैध मानव तस्करी समूहों द्वारा उठाया जाता है जो उन्हें दूसरे राज्य में ले जाते हैं और उन्हें बेचते हैं। जब मैं खेड़ा जिले में पुलिस अधीक्षक (एसपी) था, उत्तर प्रदेश का एक व्यक्ति जो जिले में एक मजदूर के रूप में काम कर रहा था, उसने एक गरीब लड़की को उठाया और उसे अपने मूल राज्य में बेच दिया, जहां वह खेत में काम करती थी। हम उसे छुड़ाने में कामयाब रहे, लेकिन कई मामलों में ऐसा नहीं होता है।

गुजरात दुर्घटनाओं और विदेशों में शूटिंग के पीड़ितों को मोरारी बापू की वित्तीय सहायता

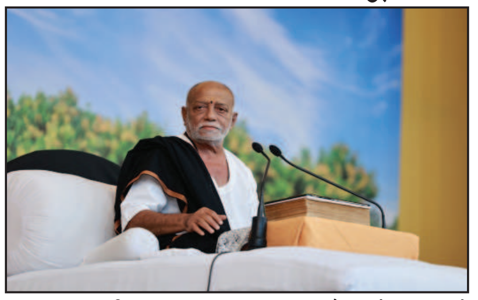

सूरत भूमि, सूरत। प्रसिद्ध आध्यात्मिक नेता और कथाकार मोरारी बापू ने हाल के दिनों में भारत और विदेशों में हुई दुर्घटनाओं के पीड़ितों के लिए प्रार्थना की और अपनी संवेदना और वित्तीय सहायता प्रदान की। शनिवार को सूरत के बारडोली शहर के पास एक कार के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। मोरारी बापू ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और छह पीड़ितों में से प्रत्येक के लिए 11,000 रुपये की प्रतिपूरक वित्तीय सहायता प्रदान की। शोक संतप्त परिवार को 66,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा।

मोरारी बापू ने रु 33,000, रुपये की वित्तीय सहायता भी दी है। यानी देवभूमि द्वारका में भानवाड़ के पास एक चकड़ा रिक्शा के पुल से गिर जाने से मरने वाले तीन लोगों के परिवारों को-11-11 हजार रुपये की वित्तीय सहायता भी दी है। सर्बिया के बेलग्रेड में एक स्कूल में सामूहिक गोलीबारी में आठ छात्रों और एक गार्ड सहित नौ लोगों की मौत हो गई। रामकथा के प्रवासी श्रोता मोरारी बापू की ओर से आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए नौ पीड़ित परिवारों के पास पहुंच रहे हैं।

गोद ली नाबालिग बेटी के साथ सौतेले पिता, चाचा और सौतेले भाई समेत 5 लोगों ने किया दुष्कर्म

सूरत। सूरत से 14 साल की नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। लड़की के साथ उन शख्सों ने दुष्कर्म किया जिस परिवार ने इसे गोद लिया था। अडाजण पुलिस ने सौतेले पिता, चाचा और सौतेले भाई समेत पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरु की है। पुलिस थाने में दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक लड़की जब 6 साल की थी तब सूरत के मेहता परिवार ने उसे बाल गृह अनाथ आश्रम से गोद लिया था। जिसके बाद गोद लेने वाले सौतेले पिता वात्सल्य मेहता ने उसके साथ छेड़छाड़ शुरु की। वर्ष 2021 में घर की ऊपरी मंझिल पर लड़की को लेकर चले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसके बाद सौतेले चाचा और 2 सौतेले भाइयों समेत अन्य एक नाबालिग ने भी गोद ली गई लड़की के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने खुद पुलिस थाने में अपनी आपबीती बयां की है। पीड़िता की आपबीती सुनकर पुलिस निरीक्षक समेत सभी चौंक उठे। पुलिस ने इस मामले में वात्सल्य मेहता हसमुख मेहता, नीरज वात्सल्य मेहता, प्रज्ञेश हसमुखलाल मेहता, निकुंज उर्फ मोन्टू गामित और एक सगीर के खिलाफ केस दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि नाबालिग आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू की है।

वार्षिक साधारण सभा का हुआ आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन रविवार को सुबह ग्यारह बजे से वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर के अंजनी हॉल में किया गया । सभा की शुरुआत बाबा श्याम के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन से किया गया । सभा की शुरुआत में ट्रस्ट के अध्यक्ष रामप्रकाश रूंगटा ने स्वागत भाषण देते हुए सभी का स्वागत किया । उनके बाद ट्रस्ट के सचिव विनोद कानोड़िया द्वारा रिपोर्ट पेश की गयी एवं मंदिर के कार्यों का विवरण देते हुए भावी योजना के बारे में बताया गया । साथ ही आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया । आयोजन के दौरान मंच का संचालन शिवप्रसाद पोद्दार ने किया । सभा के पश्चात् सभी के लिए राजभोग प्रसाद की व्यवस्था ट्रस्ट द्वारा की गयी थी । इस अवसर पर श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के विजय तोदी, प्रकाश तोदी, श्याम फागलवाला, कैलाश हाकिम, सन्दीप बेरीवाला, कमल टाटनवाला, मीडिया प्रभारी कपीश खाट्वाला सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें ।

शिक्षा और कैरियर एक्सपो में 7000 से अधिक लोगों ने FCN प्रशिक्षण अकादमी का दौरा किया

सूरत भूमि, सूरत । सूरत के सिटीलाइट रोड स्थित अग्रसेन भवन में 6 व 7 अप्रैल को एजुकेशन एंड करियर एक्सपो का आयोजन किया गया। जिसमें एफसीएन ट्रेनिंग एकेडमी के स्टॉल को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। दो दिनों में 7 हजार से ज्यादा लोगों ने इस स्टॉल पर जाकर निवेश और कारोबार की जानकारी ली। FCN प्रशिक्षण अकादमी के संस्थापक विजयभाई कानपरिया के अनुसार, आधुनिक युग में कौशल आवश्यक है। जैसे मैरिज प्लान, एजुकेशन प्लान, मेडिकल प्लान, फाइनेंस प्लानिंग भी जरूरी है। शिक्षा के साथ-साथ आज की नई पीढ़ी में इस कौशल के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से इस एक्सपो में भाग लिया। जिसमें हजारों विजिटर्स को ट्रेडिंग ट्रेनिंग इन्वेस्टमेंट की जानकारी दी गई। अधिकांश युवा वित्त क्षेत्र में अपना करियर कैसे बना सकते हैं और कहां निवेश कर सकते हैं? उनसे पूछताछ कर रहे थे। युवा बीमा सलाहकार, वित्तीय योजनाकार या म्यूचुअल फंड सलाहकार के रूप में करियर बनाने की इच्छा रखते हैं। ये सभी प्रशिक्षण FCN प्रशिक्षण अकादमी में प्रदान किए जाते हैं। FCN प्रशिक्षण अकादमी पिछले 13 वर्षों से सूरत में काम कर रही है। सुमुल डेयरी रोड पर मुख्य शाखा के साथ वेसु, वराछा, नानपुरा, कटारगाम, पाल-अदजान क्षेत्र में छह शाखाएं हैं। इस एकेडमी में अब तक 12 हजार से ज्यादा लोग ट्रेनिंग लेकर अपना करियर बना चुके हैं।

दो दिवसीय समर कैंप (मस्ती शाला) का मस्तीभरा आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। बाल्य काल मे स्कूली शिक्षा अंतर्गत, मौज-मस्ती व मनोरंजन के साथ, सर्वांगीण विकास का अधिकार, सभी बच्चो के लिए जरूरी होता है। इसी ध्येय से ट्रस्ट द्वारा अपने युवा शाखा के माध्यम से दिनांक 06 एवं 07/05/2023 को, सिटीलाईट विस्तार स्थित, महाराजा अग्रसेन SMC प्राइमरी शाला-160 एवं 337 के विद्यार्थियों के लिए, दो दिवसीय समर कैंप (मस्ती शाला) का आयोजन किया गया। जिसमे करीब 8 5 बच्चो ने भाग लिया। पूरे दो दिन तक प्रतिभागी छात्र-छात्राओ के लिए तरहतरह के खेल व मनोरंजनपूर्ण आयोजन- जुम्बा, मूवी थियेटर, ट्रेजर हंट, आउटडोर जिम्नास्टिक इत्यादि साथ ही अंतिम दिन ऐनुअल डे भी आयोजित किया गया। जिसमे सभी विद्यार्थियो ने अति उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं काफी प्रसन्नचित दिखाई पड़े। इस दरम्यान बच्चो को खानपान के साथ, उनके मन लायक उपहार भी दिये गए। सम्पूर्ण आयोजन में शाला शिक्षक-शिक्षिकाओ का योगदान पूरे मनोयोग से प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष संजय सरावगी, नगर शाला समिति सदस्य - अनुराग कोठारी, ट्रस्ट उपाध्यक्ष प्रमोद पोद्दार, सचिव राजीव गुप्ता, सह-सचिव अनिल शोरेवाला, कोषाध्यक्ष राहुल अग्रवाल, सह कोषाध्यक्ष शशीभूषण जैन कल्चरल कमेटी संयोजक विनोद अग्रवाल, युवाशाखा अध्यक्ष नीरज अग्रवाल सहित युवा शाखा के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)